अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 211 लखनऊ, सोमवार, 16 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे

उखीमठ/रुद्रप्रयाग। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट इस वर्ष यात्रा के लिए 22 अप्रैल को वृष लग्न में प्रातः 8 बजे से श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। इसका निर्णय महाशिवरात्रि के दिन परंपरानुसार शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में एक बैठक में पंचांग गणना के उपरांत लिया गया। रविवार को ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में विद्वान आचार्यों, हक-हकूकधारियों तथा बदरी-केदार मंदिर समिति के पदाधिकारियों की उपस्थिति में केदारनाथ धाम के कपाट खोलने की तिथि और समय तय किया गया। परंपरा के अनुसार निर्धारित तिथि से पूर्व बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारपुरी के लिए प्रस्थान करेगी।

बांग्लादेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में ओम बिरला करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला मंगलवार को बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व वाली नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, नई सरकार का नेतृत्व बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष तारिक रहमान करेंगे। तारिक रहमान हाल ही में हुए चुनाव में बहुमत मिलने के बाद सरकार बनाने जा रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस समारोह में लोकसभा अध्यक्ष की भागीदारी भारत और बांग्लादेश के बीच गहरी और मजबूत मित्रता को दर्शाती है। यह दोनों देशों के लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी दिखाता है। मंत्रालय के अनुसार, भारत ने बांग्लादेश में नई निर्वाचित सरकार के गठन का स्वागत किया है। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान के मजबूत संबंध हैं।

फ्रांस के साथ छठा रक्षा संवाद 17 फरवरी को, हैमर मिसाइल समझौते पर हस्ताक्षर संभव

नई दिल्ली(रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को बेंगलुरु में फ्रांस के साथ छठे भारत-फ्रांस वार्षिक रक्षा संवाद की सह-अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में फ्रांस की सशस्त्र बल मंत्री कैथरीन वौत्रिन भी शामिल होंगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग की समीक्षा होगी और रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। बैठक में रक्षा सहयोग समझौते को अगले 10 वर्ष के लिए नवीनीकरण किया जा सकता है। हैमर मिसाइल के संयुक्त निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। दोनों देश भारतीय सेना और फ्रांसीसी थल सेना में अधिकारियों की पारस्परिक तैनाती को लेकर घोषणा कर सकते हैं।

योगी सरकार ने संचारी रोग नियंत्रण में रचा इतिहास, मृत्यु दर में आई कमी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● डेंगू, मलेरिया और एईएस-जेई पर किया प्रभावी प्रहार, डिजिटल सर्विलांस पोर्टल से मॉनीटरिंग हुई मजबूत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पिछले नौ वर्षों के दौरान संचारी रोगों के नियंत्रण को लेकर कई व्यापक और परिणामकारी कदम उठाए हैं। योगी सरकार ने डेंगू, मलेरिया तथा एईएस-जेई जैसे गंभीर रोगों पर प्रभावी प्रहार करते हुए जांच, उपचार और मॉनीटरिंग व्यवस्था को मजबूत बनाया। साथ ही डिजिटल सर्विलांस, प्रयोगशालाओं के विस्तार और त्वरित उपचार व्यवस्था से मृत्यु दर में ऐतिहासिक कमी दर्ज की गई है।

स्वास्थ्य सचिव रितु माहेश्वरी ने बताया कि प्रदेश में एकीकृत डिजिटल सर्विलांस पोर्टल (आईडीएसपी) विकसित कर रोगों की निगरानी को सशक्त किया गया है। पोर्टल पर कुल 34,334 लैब पंजीकृत हैं, जिनमें 31,885 सरकारी तथा 2,439 गैर-सरकारी लैब शामिल हैं। इन लैबों के माध्यम से 16 संक्रामक रोगों और 6 वैक्सीन प्रिवेंटेबल डिजीज की नियमित जांच की जा रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए समयबद्ध सूचना उपलब्ध होने से रोगों की पहचान और नियंत्रण की कार्रवाई तेज हुई है। यही वजह है कि डेंगू की जांच सुविधाओं में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। वर्ष 2017 में जहां 29 जिलों में मात्र 36 प्रयोगशालाएं संचालित थीं, वहीं वर्ष 2025 तक प्रदेश के सभी जिलों में 89 प्रयोगशालाएं क्रियाशील हो चुकी हैं। वर्तमान में 86 सेंटिनल प्रयोगशालाएं और तीन एपेक्स प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं। इससे डेंगू की उन्नत जांच सुविधा प्रदेशभर में उपलब्ध कराई जा रही है। जांच और उपचार व्यवस्थाओं में सुधार से डेंगू की मृत्यु दर जहां वर्ष 2017 में 0.91 थी, जो वर्ष 2025 में घटकर 0.06 रह गई है। इस अवधि में मृत्यु दर में लगभग 94 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

सचिव ने बताया कि मलेरिया नियंत्रण के क्षेत्र में भी प्रदेश ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2017 में सूचित मलेरिया रोगियों की संख्या 32,342 थी, जो वर्ष 2025 में घटकर 14,688 रह गई। इस प्रकार कुल रोगियों में लगभग 55 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, जांचों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2017 में 46.69 लाख मलेरिया जांचें की गई थीं, जबकि वर्ष 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 1.54 करोड़ तक पहुंच गया है। यानी जांचों की संख्या में 229 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी तरह एईएस-जेई नियंत्रण कार्यक्रम के तहत भी उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की गई है। वर्ष 2017 से लेकर 2025 तक एईएस रोगियों की संख्या में 85 प्रतिशत की कमी आई है।

एईएस से होने वाली मौतों की संख्या में 99 प्रतिशत तथा रोग मृत्यु दर में 94 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसी प्रकार जेई के रोगियों की संख्या में 96 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि जेई से होने वाली मृत्यु में 98 प्रतिशत और रोग मृत्यु दर में 76 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई

दिल्ली में न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस, वायु गुणवत्ता 'खराब'

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने दिन में धुंध छाए रहने का अनुमान जताया है जबकि अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

दिल्ली में सुबह 8.30 बजे सापेक्षिक आर्द्रता 89 प्रतिशत दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 210 रहा, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 को 'संतोषजनक', 101 से 200 को 'मध्यम', 201 से 300 को 'खराब', 301 से 400 को 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' माना जाता है।

असम: 22,864 करोड़ के सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी हाई-स्पीड कॉरिडोर की घोषणा

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को विकासात्मक परियोजनाओं की कई महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने मुख्यमंत्री मुख्यालय लोक सेवा भवन में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले माह मार्च में असम दौरे के दौरान महत्वाकांक्षी सिलचर-शिलांग-गुवाहाटी हाई-स्पीड कॉरिडोर की नींव रखेंगे।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत लगभग 22,864 करोड़ रुपये है, जो केंद्र सरकार द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए किए गए सबसे बड़े हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर आवंटन में से एक है। मुख्यमंत्री ने इसे एक गेम-चेंजिंग पहल बताया जो असम और मेघालय में कनेक्टिविटी को काफी बदल देगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के एक बार पूरा हो जाने पर, कॉरिडोर से गुवाहाटी और सिलचर के बीच यात्रा का समय लगभग 4.5 से 5 घंटे कम होने की उम्मीद है, जिससे तेज, सुरक्षित और ज़्यादा कुशल ट्रांसपोर्टेशन मिलेगा। बेहतर कनेक्टिविटी से क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह घोषणा राज्य सरकार के बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर विस्तार प्लान के हिस्से के तौर पर की गई है, जिसका मकसद रोड नेटवर्क को मजबूत करना और रीजनल इंटीग्रेशन को बढ़ाना है।

केंद्र सरकार ने ग्राम पंचायतों के लिए शुरू किया उपभोक्ता अधिकार क्षमता निर्माण का दूसरा चरण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देशभर की ग्राम पंचायतों के लिए देशव्यापी क्षमता निर्माण कार्यक्रम का दूसरा चरण शुरू किया। इस दौरान बिहार, झारखंड और ओडिशा के पंचायत प्रतिनिधियों को तमाम तकनीकी और धरातल की जानकारियां दी गईं। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, 13 फरवरी को शुरू हुए कार्यक्रम में 1,011 ऑनलाइन लिंक के माध्यम से हजारों प्रतिनिधियों ने भाग लिया। मंत्रालय ने बताया कि प्रतिनिधियों को राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन 1915,ई-जागृति पोर्टल के उपयोग और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की भी जानकारी दी गई। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएं भी रखीं। कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत स्तर पर उपभोक्ता अधिकारों को मजबूत करना है।

देश में महाशिवरात्रि पर ॐ नमः शिवाय की गूंज

एजेंसी

नई दिल्ली। शिव उपासना के महापर्व महाशिवरात्रि पर आज सारे देश के मंदिरों खासतौर पर शिवालयों, मां गंगा- यमुना और अन्य पावन नदियों, सरोवरों के तटों पर ब्रह्म मुहूर्त लगते ही हर-हर गंगे और ॐ नमः शिवाय की गूंज होने लगी। वाराणसी और उज्जैन के साथ भगवान राम की नगरी शिवमय हो गई है।

मध्य प्रदेश में उज्जैन के महाकाल मंदिर, उत्तर प्रदेश के वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर और झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए लोगों की कतार लगी हुई है। लोग जलाभिषेक कर ॐ नमः शिवाय का उद्घोष कर रहे हैं।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चांदनी चौक के गौरीशंकर मंदिर और छतरपुर के श्री आद्या कात्यायनी शक्तिपीठ में पूजा-अर्चना के लिए सैलाब उमड़ पड़ा है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के बाबुलनाथ मंदिर में भी ऐसा ही दृश्य है। ओडिशा में तो कलाकार सुदर्शन पटनायक ने पुरी के समुद्र तट पर 17,000 रुद्राक्ष से शिवलिंग की कलाकृति तैयार कर महाशिवरात्रि को रेत में जीवंत कर दिया है।

अयोध्या में आज राम की पैड़ी में स्थित प्राचीन नागेश्वर नाथ मंदिर से भव्य शिव बरात निकलेगी। बरात में हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। बैंड-बाजा, रथ, भगवान के स्वरूप आकर्षण बढ़ाएंगे। इस बरात का क्षीरेश्वरनाथ मंदिर पर स्वागत किया जाएगा। रात में भगवान भोलेनाथ का धूमधाम से विवाह होगा। शनिवार को यहां पारंपरिक विधि-विधान के साथ भोले बाबा को हल्दी अर्पित की गई। वैदिक मंत्रोच्चार, ढोल-नगाड़ों और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच विवाह के लोकाचार पूरे किए गए।

रुद्राभिषेक-जलाभिषेक कर मुख्यमंत्री ने की प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना

गोरखपुर। महाशिवरात्रि पर्व पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर और भरोहिया के पितेश्वरनाथ शिव मंदिर में भी दर्शन, पूजन व दुग्धाभिषेक-जलाभिषेक किया और चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की। रविवार सुबह जनता दर्शन के बाद ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में भगवान भोले शंकर का दुग्ध, दही, घी, मधु और शर्करा से पंच स्नान कराया। इसके बाद विधि विधान से रुद्राभिषेक किया। मठ के पुरोहित एवं वेदपाठी ब्राह्मणों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मुख्यमंत्री ने चराचर जगत के मंगल हेतु महादेव भगवान शिव से प्रार्थना की।

उत्तर प्रदेश में नकली बीजों पर लगेगी नकेल

गुणवत्ता का पूरा ब्यौरा देगा साथी पोर्टल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

● बीज उत्पादक व विक्रेता अप्रैल से साथी पोर्टल के माध्यम से करें व्यवसाय: कृषि विभाग

लखनऊ। डबल इंजन सरकार किसानों तक उच्च गुणवत्ता वाले बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और बीज वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने बीज व्यवसाइयों से अनुरोध किया है कि अप्रैल से साथी पोर्टल पर संपूर्ण जानकारी अपडेट करें। बीज के उत्पादन से लेकर किसान तक पहुंचने की पूरी प्रक्रिया साथी पोर्टल के माध्यम से पारदर्शी तरीके से ट्रैक की जाएगी। यह प्रक्रिया बीज की मिलावट रोकने, नकली बीजों पर अंकुश लगाने और किसानों को सही गुणवत्ता का बीज उपलब्ध कराने में बड़ी मदद मिलेगी।

उत्तर प्रदेश में कृषि विभाग ने इसके लिए व्यापक प्रशिक्षण अभियान भी चलाया। कृषि निदेशालय में चले प्रशिक्षण में केंद्रीय टीम व महाराष्ट्र कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ उत्तर प्रदेश के कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने किया। डॉ. सोनू कुमार चौधरी, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सीड) भारत सरकार, अर्चना व अविनाश विजय कुमार पेडगांवकर, वरिष्ठ निदेशक (आईटी) एन.आई.सी, निलाद्रि बिहारी मोहंती संयुक्त निदेशक व उनकी टीम के सदस्य कोमित व सुदीप ने प्रशिक्षण प्रदान किया। महाराष्ट्र की उप निदेशक (कृषि) डॉ. प्रीति सवाईराम ने उनके राज्य में साथी पोर्टल की सफलता की कहानी बताई। उन्होंने इसके विभिन्न चरणों, कार्यों व किसानों को होने वाले लाभ की भी जानकारी दी। अपर कृषि निदेशक (बीज एवं प्रक्षेत्र) अनिल कुमार पाठक ने बताया कि बीज उत्पादक संस्थाओं, कृषक उत्पादक संगठन (एफपीओ) और बीज कंपनियों के प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित कर मास्टर ट्रेनर बनाया जा रहा है। अब ये प्रशिक्षक जनपद स्तर पर थोक व फुटकर विक्रेताओं को प्रशिक्षित करेंगे जिससे नई प्रणाली का सही ढंग से संचालन हो सकेगा।

बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म: शाह

● अमित शाह ने की सीबीडीसी आधारित पीडीएस की शुरुआत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुजरात की राजधानी गांधीनगर में सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) आधारित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) की शुरुआत की। साथ ही उन्होंने राशन बांटने वाली अन्नपूर्णा मशीन का भी शुभारंभ किया। इस मौके पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी भी मौजूद रहे।

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से डिजिटल इंडिया का विस्तार अब राशन वितरण तक हो गया है। यह प्रणाली गरीबों को सस्ता अनाज देने की व्यवस्था को आधुनिक, सरल और पारदर्शी बनाएगी। गरीबों को मिलने वाले राशन में पारदर्शिता आएगी और भ्रष्टाचार खत्म होगा।

उन्होंने कहा कि इस प्रणाली से गरीबों को डिजिटल माध्यम से सीधे राशन मिलेगा। इससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी। जैसे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से भ्रष्टाचार कम हुआ, वैसे ही यह व्यवस्था राशन वितरण में पारदर्शिता लाएगी।

गृह मंत्री ने 'अन्नपूर्णा मशीन' का भी शुभारंभ किया। यह मशीन 35 सेकंड में 25 किलो अनाज वितरित कर सकती है। उन्होंने कहा कि इससे सही मात्रा और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी। अमित शाह ने कहा कि अगले तीन से चार सालों में इस प्रणाली को पूरे देश में लागू किया जाएगा।

सपा में नसीमुद्दीन की एंट्री से बदला सियासी समीकरण

2027 से पहले मुस्लिम वोट बैंक पर सपा की बड़ी चाल

● नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने रविवार को सपा जॉइन की
● 19% मुस्लिम आबादी वाले यूपी में बड़ा सियासी संदेश
● ओवैसी और बसपा की सक्रियता के बीच सपा का रणनीतिक दांव
● 2017 जैसी वोट बंटवारे की स्थिति से बचने की कोशिश

मनोज कुमार शुक्ल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने बड़ा दांव खेलते हुए वरिष्ठ नेता नसीमुद्दीन सिद्दीकी को अपने साथ जोड़ लिया है। रविवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में उन्होंने औपचारिक रूप से सदस्यता ग्रहण की। कांग्रेस से 24 जनवरी 2026 को इस्तीफा देने के बाद से ही उनके अगले कदम को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। चर्चा यह भी थी कि वे चंद्रशेखर आजाद के साथ नई राजनीतिक पारी शुरू कर सकते हैं, लेकिन अंततः उन्होंने सपा का दामन थाम लिया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह कदम केवल एक नेता का दल बदल नहीं, बल्कि 2027 की बिसात पर सपा की सुनियोजित चाल है। प्रदेश में करीब 19 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है और 2022 विधानसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का बड़ा हिस्सा सपा के साथ गया था। सपा नेतृत्व नहीं चाहता कि आगामी चुनाव में यह समर्थन किसी भी तरह बिखरे। 2017 विधानसभा चुनाव का अनुभव अभी भी सपा के लिए एक सबक है। उस चुनाव में मुस्लिम वोट सपा और बसपा के बीच बंट गए थे, जिसका फायदा भाजपा को मिला। मुस्लिम बहुल कई सीटों पर वोट विभाजन निर्णायक साबित हुआ था। इसी बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन की पश्चिमी यूपी में सक्रियता और बसपा प्रमुख मायावती के मुस्लिम भाईचारा सम्मेलनों ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। सपा इस संभावित समीकरण की काट के तौर पर नसीमुद्दीन सिद्दीकी को मजबूत चेहरे के रूप में पेश करना चाहती है। सपा की पारंपरिक 'MY' (मुस्लिम-यादव) राजनीति अब 'PDA' यानी पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक के विस्तारवादी नारे में बदल चुकी है। ऐसे में, जब आजम खान जेल में हैं और पार्टी के भीतर बड़ा मुस्लिम चेहरा सीमित था, नसीमुद्दीन की एंट्री को उस खालीपन को भरने की कोशिश माना जा रहा है।

करीब तीन दशक तक बसपा में सक्रिय रहे नसीमुद्दीन सिद्दीकी 2007-12 की सरकार में 'मिनी सीएम' के रूप में चर्चित रहे। संगठन और चुनावी प्रबंधन में उनकी पकड़ को देखते हुए सपा उन्हें बुंदेलखंड से लेकर पश्चिमी यूपी तक प्रभावी चेहरा बनाने की रणनीति पर काम कर सकती है। कुल मिलाकर, सपा ने यह स्पष्ट संकेत दे दिया है कि 2027 की तैयारी अभी से शुरू हो चुकी है। मुस्लिम वोट बैंक को लेकर सियासी तापमान बढ़ रहा है और नसीमुद्दीन की एंट्री ने इस मुकाबले को और रोचक बना दिया है।

आंकड़ों में मुस्लिम वोट बैंक और सियासी गणित

प्रदेश में मुस्लिम आबादी: लगभग 19%

विधानसभा चुनावों में मुस्लिम वोटिंग पैटर्न:

2007: बसपा 55%, सपा 35%

2012: सपा 62%, बसपा 25%

2017: सपा-कांग्रेस गठबंधन 46%, बसपा 30%

2022: सपा 77-79%, बसपा 6-7%, भाजपा 8%

2017 का असर

मुस्लिम बहुल 82 सीटों में से 62 पर भाजपा की जीत
कई सीटों पर वोट बंटवारा निर्णायक

2022 में एआईएमआईएम

100 सीटों पर चुनाव लड़ा
जीत नहीं, लेकिन कई सीटों पर असर

आत्मनिर्भर यूपी को गति देगी एआई कौशल क्रांति, टेक युवा-समर्थ युवा से 25 लाख युवाओं को मिलेगी ट्रेनिंग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। 'टेक युवाऽसमर्थ युवा' योजना के जरिए प्रदेश के 25 लाख युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर), वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और एक्सटेंडेड रियलिटी (एक्सआर) जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा। यह पहल केवल तकनीकी प्रशिक्षण नहीं, बल्कि मानव पूंजी के सशक्तीकरण की व्यापक रणनीति है। सरकार का मानना है कि 21वीं सदी की प्रतिस्पर्धा संसाधनों से अधिक कौशल आधारित है। पहले चरण में डिजिटल

> 25 लाख युवाओं को एआई और उन्नत तकनीकों में प्रशिक्षित करना एक संरचनात्मक बदलाव है। यह कदम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अगले दशक के लिए रीडिफाइन करेगा और युवा शक्ति को इनोवेशन व निवेश को आकर्षित करने वाली दक्ष कार्यशक्ति में बदलेगा।
>
> –मनिन्द्र अग्रवाल, डायरेक्टर, आईआईटी, कानपुर

अवसंरचना को मजबूत करते हुए युवाओं को टैबलेट उपलब्ध कराए गए। अब इन्हीं डिजिटल साधनों को कौशल विकास के प्रभावी मंच के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा। एप आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल के माध्यम से युवाओं को उद्योगोन्मुख और व्यावहारिक शिक्षा दी जाएगी, जिससे वे सीधे रोजगार, स्वरोजगार और स्टार्टअप से जुड़ सकें। वित्तीय वर्ष 2026527 में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान इस बात का संकेत है कि सरकार युवाओं को केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि दक्ष और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। डिफेंस कॉरिडोर, डेटा सेंटर पार्क और औद्योगिक निवेश के विस्तार के साथ कुशल मानव संसाधन की मांग तेजी से बढ़ रही है। यह योजना उसी आवश्यकता को पूरा करेगी। इस पहल की खास बात यह है कि इसका लाभ ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों तक भी पहुंचेगा, जिससे क्षेत्रीय असमानता कम होगी और समान अवसर मिलेंगे।

होटल कर्मी की संदिग्ध हालात में मौत, भाई बोला हत्या की गई

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मोहनलालगंज कस्बे के एक होटल में बीती रात एक कर्मचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान अन्तरास होटल में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत 40 वर्षीय हरिश्चंद्र यादव के तौर पर हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, रविवार को सीएचसी मोहनलालगंज से पुलिस को इस घटना की सूचना मिली। मृतक हरिश्चंद्र पुत्र स्वर्गीय राम खेलावन यादव, ग्राम फतेखेड़ा, थाना मोहनलालगंज, जनपद लखनऊ का निवासी था। वह लखनऊ-रायबरेली रोड स्थित अन्तरास होटल में सुरक्षा गार्ड के पद पर कार्यरत था। राहुल यादव निवासी फत्तेखेड़ा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका चचेरे भाई हरिशचंद्र यादव बीते एक वर्ष से अन्तरास होटल में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। शनिवार शाम करीब सात बजे घर से होटल में ड्यूटी आया था। रात करीब दस बजकर 43 मिनट पर होटल के कर्मचारी ने चचेरे भाई के साले को फोन कर बताया कि उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई है आप लोग होटल आ जाइए। इसके बाद साले ने अपनी बहन किरण को फोन कर जीजा की तबीयत खराब होने की जानकारी दी। इसके बाद वह होटल पहुंचे तो देखा कि भाई हरिश्चंद्र मरणासन्न हालत में पड़े थे। जिसके बाद परिजनों संग उसको सीएचसी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां पर डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। होटल प्रबंधन और कर्मचारी समय रहते अगर अस्पताल पहुंचाया होता, शायद उनके भाई की जान बच जाती। इलाज के अभाव में उसके भाई ने होटल में तड़प तड़प कर दम तोड़ दिया। राहुल का आरोप है कि होटल प्रबंधन और कर्मचारियों की लापरवाही से भाई की मौत हो गयी है। उसे आशंका है कि कहीं उसके भाई की हत्या तो नहीं की गयी। इसकी गहनता से जांच की जानी चाहिए। मृतक के परिवार में पत्नी किरण और दो बच्चे 10 साल का प्रांजल और छह साल की जूही है। इंस्पेक्टर मोहन लाल गंज बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों ने तहरीर दी है। सीसीटीवी फुटेज मांगी गई है। जांच करके आगे की विधिक कार्रवाई की जायेगी।

एटीएम बदलकर ठगी करने वाले 2 गिरफ्तार,181 एटीएम कार्ड बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ की मड़ियांव पुलिस ने एटीएम बदलकर रुपए निकालने वाले गैंग के 2 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपी उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में घूमकर घटना को अंजाम देते थे। आरोपियों के पास से 181 एटीएम कार्ड बरामद हुए हैं। अब तक 30 लाख से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। पुलिस गैंग के अन्य सदस्यों की जानकारी जुटा रही है। एडीसीपी नार्थ रिषभ रुढ़वाल ने बताया- पुलिस ने लंबे समय से एटीएम कार्ड बदलकर रुपए निकालने की शिकायत मिल रही थी। मामले के खुलासे के लिए टीम लगाई गई। शनिवार रात पुलिस को सूचना मिली जीएसआई ई-पॉवर हाउस चौराहा के पास स्थित एसबीआई एटीएम के पास दो संदिग्ध बिना नंबर प्लेट की बाइक से खड़े हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान मधई का पुरवा सदर कोतवारी प्रतापगढ़ के रहने वाले शहबान (28) और लीलीपुर प्रतापगढ़ निवासी दिलशाद (26) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से अलग-अलग बैंक के 181 एटीएम कार्ड, चार फर्जी आधार कार्ड, एक मोबाइल, ठगी के रुपए से खरीदी गई बाइक मिली है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया- 100 लोगों से ज्यादा लोगों से अब तक 30 लाख से ज्यादा की ठगी कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश समेत दिल्ली, महाराष्ट्र व अन्य राज्यों में घटना कर चुके हैं। अब तक 100 से ज्यादा लोगों के खाते से रुपए निकाल चुके हैं। आरोपी महिलाओं और बुजुर्गों को टारगेट करते थे। एटीएम बूथ के पास खड़े होकर मदद के बहाने एटीएम बदलकर रुपए निकाल लेते। दोनों ने लखनऊ और आस-पास 20 अलग-अलग थानाक्षेत्रों में वारदात की है। पकड़ा गया आरोपी दिलशाद बीटेक पास है। डिग्री लेने के बाद नोएडा में प्राइवेट कंपनी में आईटी सेक्टर में नौकरी करता था। नौकरी छोड़कर अपने स्कूल के दोस्त शहबान के साथ टप्पेबाजी करने लगा। आरोपियों ने ठगी के पैसे महंगे शौक में उड़ा दिए। इसके बाद अलावा पत्नी के लिए ज्वैलरी बनवा दी।

एचडीएफसी बैंक उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में 'राइड इन्दू जॉय' टू-व्हीलर लोन मेला आयोजित करेगा

लखनऊ। भारत का निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 'राइड इन्दू जॉय' टू-व्हीलर लोन मेला लगाने जा रहा है। यह लोन मेला आगामी 17 व 18 फरवरी, 2026 को उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों में बैंक की 650 ब्रांचों में लगाया जाएगा। इस पहल के तहत, लीडिंग टू-व्हीलर मैन्युफैक्चरर अपनी गाड़ियों को कुछ चुनिंदा बैंक ब्रांचों में प्रदर्शित करेंगे जिससे कस्टमर और वॉक-इन विज़िटर टू-व्हीलर मॉडल देखने के साथ साथ टेस्ट राइड ले सकेंगे और मौके पर ही पात्र ग्राहक लोन सैंक्शन पा सकेंगे। इस पहल का मकसद एक ही जगह पर टू-व्हीलर फाइनेंसिंग और मनपसंद गाड़ी तक आसान पहुंच उपलब्ध करवाना है, जिससे खरीदार कुछ लीडिंग टू-व्हीलर डीलरों से जुड़ सकें। इस पहल पर बात करते हुए एचडीएफसी बैंक के उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के ब्रांच बैंकिंग हेड श्री मुस्कान सिंह ने कहा, ह्लएचडीएफसी बैंक में हम कस्टमर की सुविधा और क्रेडिट तक उनकी पहुँच को बेहतर बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। 'राइड इन्दू जॉय' राज्य में हमारी तरफ से इस साल का पहला गाड़ी फाइनेंसिंग कैंपेन है और यह टू-व्हीलर खरीदने के इच्छुक कस्टमर के लिए टू-व्हीलर फाइनेंसिंग के सफ़र को आसान बनाने के हमारे कमिटमेंट को दिखाता है।

श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में शिवरात्रि पर विशेष आयोजन सम्पन्न

लखनऊ। रविवार को चौक कोतवाली स्थिति श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में प्रातः काल से ही भक्तों द्वारा जलाभिषेक शुरु हो गया जो दोपहर बाद तक हरि ओम हर जल चढ़ता रहा। मंदिर के महंत विशाल गौड़ ने बताया कि महाशिवरात्रि पर ध्यान सौ गुना अधिक प्रभावी होता है और महाशिवरात्रि पर आंतरिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त होती है। महंत ने बताया कि महाशिवरात्रि का पौराणिक और धार्मिक महत्व है। यह भगवान शिव का प्रमुख पर्व है। माना जाता है कि सृष्टि का प्रारम्भ इसी दिन से हुआ था। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस दिन सृष्टि का आरम्भ अग्निलिंग के उदय से हुआ था। महाशिवरात्रि के समय हम अपनी चेतना में विश्राम करते हैं। यह समय है अपनी अंतरात्मा और चेतना के साथ उत्सव मानाने का, महाशिवरात्रि के दिन साधना के माध्यम से हम दिव्य चेतना की शरण में चले जाते हैं।

एमएसएमई को आत्मनिर्भर बनाने वाला बजट, पैदा करेगा रोजगार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

> **96 लाख इकाइयों को मजबूती, तीन करोड़ परिवारों की आजीविका को मिलेगा स्थायित्व**

लखनऊ,15 फरवरी 2026 (यूएनएस)। प्रदेश की अर्थव्यवस्था की धुरी माने जाने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम एमएसएमई क्षेत्र को बजट 2026-27 में जिस प्राथमिकता के साथ रखा गया है, वह आने वाले वर्षों की औद्योगिक तस्वीर को बदलने का संकेत देता है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 96 लाख एमएसएमई इकाइयां संचालित हैं, जो करीब तीन करोड़ परिवारों की आजीविका का आधार हैं। बजट में 3,822 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बीते साल की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि केवल बजटीय विस्तार ही नहीं बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। प्रदेश सरकार एमएसएमई को अनुदान आधारित व्यवस्था से आगे बढ़ाकर प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था कर प्रतिवर्ष एक लाख नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पांच वर्षों में पांच लाख से अधिक नई इकाइयां खड़ी हो सकती हैं जिनसे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाखों रोजगार सृजित होने का अनुमान है। बैंक ऋण और सरकारी प्रोत्साहन के संयोजन से निवेश का मल्टीप्लायर इफ़ेक्ट्स गुणक कई गुना बढ़ सकता है।एमएसएमई क्षेत्र की सबसे बड़ी बाधा ऋण हासिल करना है। छोटे उद्यमियों के पास पर्याप्त जमानत कोलैटरल न होने से वे औपचारिक बैंकिंग तंत्र से दूर रह जाते हैं। बजट में ऋण गारंटी तंत्र को सुदृढ़ करने और बैंकों के साथ समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया गया है। इससे बड़ी जमानत के बिना ऋण लेने की राह आसान होगी। इसका सीधा असर यह होगा कि बड़ी संख्या में इकाइयां असंगठित क्षेत्र से निकलकर औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनेंगी जिससे कर संग्रह, पारदर्शिता और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। क्लस्टर आधारित विकास मॉडल को भी बजट में बल मिला है। सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। समूह आधारित औद्योगिक क्षेत्रों में साझा मशीनरी, परीक्षण प्रयोगशालाएं और सामान्य सुविधाएं उपलब्ध होने से उत्पादन लागत घटेगी और गुणवत्ता में सुधार होगा। इससे छोटे उद्यम बड़े बाजारों में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनेंगे। ओडीओसी के लिए 75 करोड़ रुपये की व्यवस्था स्थानीय व्यंजनों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की रणनीति को मजबूती देती है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के लिए 225 करोड़ रुपये का प्रावधान युवाओं को नौकरी तलाशने के बजाय स्वयं उद्यम स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यदि प्रत्येक नया उद्यम औसतन पांच से 10 लोगों को रोजगार देता है तो केवल इस योजना से ही हजारों युवाओं के लिए अवसर बन सकते हैं। यह ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधि को नई गति देगा।प्रत्यक्ष प्रावधानों के अलावा बजट में आधारभूत संरचना पर निरंतर निवेश भी एमएसएमई के लिए अप्रत्यक्ष समर्थन है। एक्सप्रेस-वे, औद्योगिक गलियारे और बेहतर विद्युत आपूर्ति से उत्पादन लागत घटती है और समयबद्ध आपूर्ति संभव होती है। परिवहन और लॉजिस्टिक सुविधा बेहतर होने से छोटे उद्योग भी निर्यात बाजार की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। व्यापार सुगमता सुधार, एकल खिड़की प्रणाली और ऑनलाइन स्वीकृति व्यवस्था निवेशकों के भरोसे को मजबूत कर रही है।आज जब 96 लाख इकाइयां तीन करोड़ परिवारों की आजीविका का आधार हैं, तब लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाने का नहीं, बल्कि गुणवत्ता और उत्पादकता बढ़ाने का है। बजट 2026-27 इस दिशा में बहुस्तरीय हस्तक्षेप का संकेत देता है। इससे आने वाले वर्षों में प्रदेश का एमएसएमई क्षेत्र न केवल आत्मनिर्भर बनेगा बल्कि रोजगार सृजन का सबसे बड़ा इंजन भी साबित होगा।

वंदे मातरम में समाहित है राष्ट्र सेवा और साधना का संकल्प : प्रांत प्रचारक

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रविवार को बाबू बनारसी दास बैडमिंटन एकेडमी में वन्दे मातरम गीत की एक सौ पचासवीं जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया। इसमें वंदे मातरम गायन संबंधी सरकार के निर्णय की सराहना की गई। समारोह को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक कौशल और राज्य सूचना आयुक्त डॉ दिलीप अग्निहोत्री ने संबोधित किया। अध्यक्षता सुनील बंसल और संचालन बाल भास्कर ने किया। इस अवसर पर वंदे मातरम्, स्वतंत्रता संग्राम में संघ की भूमिका, शताब्दी वर्ष, पंच प्रण विषयों पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक ने कहा कि वंदे मातरम गीत में राष्ट्र सेवा और साधना का संकल्प समाहित है। स्वतंत्रता संग्राम में यह शब्द असंख्य लोगों को प्रेरणा देता था। स्वतंत्रता संग्राम में इसका उद्घोष देशभक्ति की ऊर्जा का संचार करता था। अभी तक वंदे मातरम दो पद्य ही गाए जाते थे। अब पूरा वंदे मातरम गीत गाया जाएगा।

राम मंदिर का वैभव पहुंचा सात समंदर पार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

20 को मॉस्को में होगी रामलीला

लखनऊ। अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राममंदिर से जुड़े विकास कार्यों और दीपोत्सव समेत किए जा रहे अभूतपूर्व आयोजनों की ख्याति अब सात समंदर पार तक पहुंच रही है। योगी सरकार के सांस्कृतिक विजन और अयोध्या में हुए आध्यात्मिक नवजागरण से प्रेरित होकर रूस की राजधानी मॉस्को में 20 फरवरी को भव्य रामलीला का आयोजन होगा। यह रामलीला अयोध्या में विगत दिनों हुए दीपोत्सव से प्रेरणा लेकर दिव्य और भव्य रूप में आयोजित की जा रही है। इसे भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों के नए अध्याय के रूप में देखा जा रहा है।रूस में भारत के दूतावास और जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से होने वाली रामलीला में रूस के कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। राम की भूमिका में एवगेनी, सीता के रूप में दारिया, लक्ष्मण के रूप में मुरात और हनुमान के रूप में दिमित्री मंच पर भारतीय आस्था की सजीव प्रस्तुति देंगे।रूसी-भारतीय मैत्री संस्था 'दिशा' इस आयोजन की मुख्य संचालक है। डॉ. रामेश्वर सिंह के नेतृत्व में यह संस्था वर्षों से नाट्य प्रस्तुतियों, सांस्कृतिक उत्सवों और शैक्षिक पहल के जरिए भारत और रूस के बीच सांस्कृतिक सेतु का निर्माण कर रही है। रामलीला केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सत्य, मर्यादा और आदर्श जीवन का सार्वभौमिक संदेश है। यही वजह है कि रूसी दर्शकों में भी इसके प्रति विशेष उत्सुकता देखी जा रही है। योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद से अयोध्या का दीपोत्सव वैश्विक पहचान बन चुका है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में लाखों दीपों से जगमगाती अयोध्या की तस्वीरों ने दुनिया भर के सांस्कृतिक संगठनों और कलाकारों को प्रभावित किया है।योगी सरकार ने रूस के कलाकारों की टीम को अयोध्या दीपोत्सव में मंच प्रदान किया। टीम रामलीला प्रस्तुत कर पहले ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी है। अयोध्या की आध्यात्मिक आभा और आयोजन की भव्यता देखकर रूस से यहां आए आयोजक और कलाकार इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने मॉस्को में भी उसी भाव को साकार करने का निर्णय लिया। भारत-रूस सांस्कृतिक संबंधों में रामलीला की परंपरा का इतिहास भी उल्लेखनीय रहा है। 1960 के दशक में सोवियत अभिनेता पद्मश्री गेनादी मिखाइलोविच पेचनिकोव ने मॉस्को में रामलीला का मंचन कर दोनों देशों के बीच भावनात्मक जुड़ाव को नई ऊंचाई दी थी। यह पहल दोनों देशों के लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आयोजन का नेतृत्व कर रहे रामेश्वर सिंह ने बताया कि रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार के विशेष सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू किया गया दीपोत्सव और सांस्कृतिक नवजागरण अब वैश्विक प्रभाव दिखा रहा है। मॉस्को की रामलीला अयोध्या की प्रेरणा से आयोजित की जा रही है। 20 फरवरी को मॉस्को में होने वाली रामलीला के लिए मंच सज्जा, पारंपरिक वेशभूषा और संगीत की विशेष तैयारी की जा रही है।

काली स्कॉर्पियो से सिपाही को उठा ले गई राजस्थान पुलिस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सिपाही के अपहरण की सूचना से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि सिपाही राजस्थान के 2002 के एक मामले में वांछित था। उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। राजस्थान पुलिस उसे उठाकर ले गई है, तो अफसरों ने राहत की सांस ली। घटना रविवार सुबह 9 बजे गोमती नगर इलाके के ग्वारी गांव में हुई। सिपाही की पहचान ग्वारी निवासी अखिलेश त्रिपाठी के रूप में हुई। लखनऊ में स्मारक समिति की सुरक्षा व्यवस्था के लिए मायावती सरकार में एक विशेष सुरक्षा वाहिनी का गठन हुआ था। सिपाही अखिलेश त्रिपाठी इसी वाहिनी में तैनाती है। इन दिनों उसकी अंबेडकर पार्क में ड्यूटी रहती थी। रविवार सुबह वह अपने 2 बेटों के साथ टहलने निकला था। प्रत्यक्षदर्शी बेटों के अनुसार, अचानक एक काली स्कॉर्पियो उनके पास आकर रुकी। कार से उतरे लोगों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया। पिता अखिलेश त्रिपाठी को जबरन गाड़ी में बैठा लिया। पूरी घटना इतनी जल्दी हुई कि आसपास के लोग समझ ही नहीं पाए कि मामला क्या है? घबराकर तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही गोमती नगर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। शुरुआती तौर पर मामला अपहरण का लगा, जिससे परिवार और क्षेत्र के लोगों में दहशत फैल गई। हालांकि कुछ देर बाद जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ।

उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम 80 फीसदी तैयार, इमर्सिव लर्निंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले होंगे मुख्य आकर्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- ब्रज क्षेत्र को मिलेगी विशिष्ट पहचान, आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम 'वेदों की ओर लौटो' का देगा संदेश
- ईश्वर, वेद और सच का संदेश देगा आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम, सेवा और समानता की राह दिखाएंगे पाँच पिलर
- ब्रज क्षेत्र को वैश्विक पहचान दिलाएगा आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम : मंत्री जयवीर सिंह

लखनऊ/आगरा। उत्तर प्रदेश के जनपद फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज में उत्तर भारत का आधुनिक आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम अब लगभग तैयार है। नई तकनीक से सुसज्जित यह संग्रहालय अतीत की गौरवगाथा को नए और आकर्षक अंदाज़ में पेश करेगा, जहां इतिहास केवल पढ़ा नहीं जाएगा, बल्कि महसूस किया जाएगा। ब्रज क्षेत्र की यह महत्वाकांक्षी परियोजना न सिर्फ पर्यटन को नई राष्ट्रीय पहचान देगी, बल्कि नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक मजबूत माध्यम भी बनेगी। फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज में 24.45 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा उत्तर प्रदेश का पहला आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम तेजी से तैयार हो रहा है, जिसका लगभग 80 फीसदी से अधिक कार्य पूरा किया जा चुका है। इसको लेकर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने समीक्षा बैठक के दौरान जल्द से जल्द कार्य सम्पन्न करने के निर्देश दिए।

इसकी विशेषता पर जानकारी देते हुए मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि, इस म्यूजियम में इतिहास को इमर्सिव लर्निंग, विज़ुअल स्टोरीटेलिंग और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के जरिए दिखाया जाएगा, ताकि हर उम्र का व्यक्ति इसे आसानी से समझ सके।

यहां स्थापना और शुरुआती दौर, संस्थापक और स्थानीय नेताओं का योगदान, आजादी की लड़ाई में भूमिका, सिद्धांत और विचारधारा, योग की अहमियत और आज के समय में इसकी जरूरत जैसे जोन बनाए गए हैं। कुल मिलाकर, आर्य गुरुकुल म्यूजियम सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने और उनसे प्रेरणा लेने का एक बेहतरीन माध्यम है। म्यूजियम में ऑडिटोरियम, मल्टीपर्पज हॉल, एम्फीथिएटर, हेलीपैड, फायर फाइटिंग सिस्टम और कई ब्लॉकों का ढांचा तैयार हो गया है और अधिकतर जगहों पर फिनिशिंग का काम चल रहा है। बाहरी इलेक्ट्रिफिकेशन, ट्यूबवेल, अंडरग्राउंड सम्प और कुछ अन्य कार्य प्रगति पर हैं, जबकि सीसी रोड, हॉर्टिकल्चर, तालाब विकास, फ्लोटिंग मल्टीमीडिया और एएट्ठु जैसे कुछ काम अभी शुरू होने बाकी हैं। कुल मिलाकर परियोजना तेजी से आगे बढ़ रही है और तय समय में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा इस म्यूजियम में पाँच पिलरों की सीख भी होगी। जिसमें पहला, ईश्वर ही सच्चे ज्ञान का असली स्रोत है-वह निराकार, अनंत और पूरी सृष्टि का रचयिता है। दूसरा, वेद हमें सही सोच और सही जीवन जीने का मार्ग दिखाते हैं, इसलिए उन्हें समझना और उनके अनुसार चलना हमारी जिम्मेदारी है। तीसरा, हमें हर हाल में सच का साथ देना चाहिए और गलत बातों से दूर रहना चाहिए, ताकि हमारा हर कदम धर्म और ईमानदारी पर टिका हो। चौथा, हमारा उद्देश्य केवल अपनी तरक्की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक उन्नति करना है। और पाँचवां, हमें सभी लोगों के साथ प्रेम, सम्मान और न्याय से व्यवहार करना चाहिए एवं दूसरों की प्रगति में ही अपनी सफलता देखनी चाहिए। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने हाल ही में हुई एक बैठक में इसे जल्द पूरा करने का निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आर्य गुरुकुल म्यूजियम हमारे अतीत की विरासत और भविष्य की संभावनाओं के बीच एक सशक्त माध्यम है। अब सिर्फ आगरा का ताजमहल ही नहीं बल्कि आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम भी वैश्विक स्तर पर नई पहचान कायम करेगा। ब्रज क्षेत्र का यह म्यूज़ियम केवल इतिहास को संजोने का प्रयास नहीं, बल्कि उस चेतना को फिर से जागृत करने का संकल्प है जिसने समाज को ज्ञान, समानता और राष्ट्रभाव की दिशा दी। आधुनिक तकनीक और नवाचार के माध्यम से हम अपनी सांस्कृतिक धरोहर को नई पीढ़ी के दिल और दिमाग से जोड़ रहे हैं, ताकि वे केवल इतिहास को जानें ही नहीं, बल्कि उसे महसूस करें, समझें और उससे प्रेरणा लेकर एक सशक्त भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं। हाल ही में पर्यटन मंत्री ने प्रमुख और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को लेकर अहम समीक्षा बैठक की थी, जिसमें फिरोजाबाद में बन रहे ग्लास म्यूजियम फिरोजाबाद, मैनपुरी के कल्चरल सेंटर, आर्य गुरुकुल म्यूजियम तथा सामौर बाबा मंदिर कॉम्प्लेक्स की प्रगति और विकास योजनाओं का विस्तार से अवलोकन किया गया था। आर्य गुरुकुल म्यूज़ियम सिर्फ एक भवन नहीं है, बल्कि एक ऐसे आंदोलन की कहानी बताएगा, जिसने भारत में सोच, समाज और देशभक्ति को नई दिशा दी। आर्य समाज ने ह्लवेदों की ओर लौटोङ्क का संदेश देकर लोगों को जागरूक किया और सामाजिक बराबरी, शिक्षा और तर्क की सोच को मजबूत बनाया। यह म्यूज़ियम आज की पीढ़ी के लिए एक एजुकेशनल हब की तरह काम करेगा, जहां लोग अपने इतिहास और संस्कारों को आसान और दिलचस्प तरीके से समझ सकते हैं।

कल्याण गिरी मंदिर से निकली शिव बारात,संन्यासी और डीजे संग निकले बाराती, भूत-प्रेत की वेशभूषा रखी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ठाकुरगंज क्षेत्र के कल्याण गिरी मंदिर से महाशिवरात्रि पर भव्य बारात निकाली गई। इस बारात में गाजे-बाजे, रथ, ऊंट, डीजे के साथ संन्यासी और श्रद्धालु शामिल हुए। बारात में भूत-प्रेत, पिशाच, नागदेव, मंदारो और सपेरे की वेशभूषा में कलाकार शामिल रहे।कलाकारों ने शिव तांडव, शिव-पार्वती और राधा-कृष्ण का जीवंत मंचन किया। जगह-जगह फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया।व्यवसायियों ने जगह-जगह बारातियों के लिए फलाहार, जलपान और प्रसाद का वितरण किया। बारात में दूर-दूर से लोग शामिल हुए। बालागंज, ठाकुरगंज और चौक रोड पर स्थानीय नेताओं और व्यापारियों ने बारात का स्वागत किया। पूरी बारात मनमोहक लगता है जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं रही। इस बारत मे पीले वस्त्र से सजी महिलाएं कलश को लेकर क्रमबद्ध रूप से बारत के साथ चलती और भोले बाबा की जयकारे लगाते रहे। ये बारात कल्याणगीरी मंदिर से उठकर बालागंज होते हुए चौक तक जाती है। फिर पुनः कल्याणगीरी मंदिर आकर समाप्त होती है जहां शिव आराधना और भव्य भंडारे का भी आयोजन होता है इस बारत की भव्यता और सुंदरता दूर दूर तक प्रसिद्ध है यही कारण है कि लोग इस बारत मे शामिल होने दूर दूर से आते हैं।

जन-जन तक बजट की बात, बालामऊ में आयोजित हुई चौपाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

■ केंद्रीय बजट 2026 पर जन संवाद

कछौना (हरदोई)। केंद्रीय बजट को आम जनता तक पहुंचाने व उसके उद्देश्यों की विस्तृत जानकारी देने के उद्देश्य से विधानसभा क्षेत्र बालामऊ के विकास खंड कछौना के सभागार में विधानसभा चौपाल का भव्य आयोजन किया गया! कार्यक्रम में मुख्य अथिति पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा विशिष्ट अतिथि बालामऊ विधायक रामपाल वर्मा सहित जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे! कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला मंत्री अजय शुक्ला ने किया!

चौपाल के दौरान मुख्य अतिथि राजीव रंजन मिश्रा ने केंद्रीय बजट पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि बजट में किसानों की आय दुगुनी करने, युवाओं के लिए रोजगार के अवस सृजन करने, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए तथा मध्यम वर्ग को राहत पहुंचाने के लिए प्रावधान है! इसके साथ ही स्वास्थ्य शिक्षा सड़क पानी बिजली सहित अनेक आधारभूत योजनाओं की जानकारी भी साझा की!

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अथिति बालामऊ विधायक रामपाल वर्मा ने कहा कि बजट आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जिससे गांव व शहरी दोनों क्षेत्रो में विकास को गति मिलेगी! उन्होंने बताया बजट से सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया जा रहा है! कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बजट से संबंधित प्रश्न पूछे तथा अपने सुझाव भी रखें! वक्ताओं ने लोगों के सवालों का संतोषजनक जवाब देते हुए भरोसा दिलाया कि सरकार द्वारा प्रत्येक क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं और जो भी कार्य होंगे जनता के हित में ही किए जाएंगे! अंत में आयोजको ने अतिथियों एवं आए हुए नागरिकों का आभार व्यक्त किया! कार्यक्रम का उद्देश्य विकास कार्यों की जानकारी को जनता तक पहुंचाना और सरकार के विकास योजनाओं को लेकर संवाद स्थापित करना रहा है! कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने बजट का तालियां बजाकर जोरदार स्वागत किया! कार्यक्रम शांतिपूर्ण व सफलतापूर्वक संपन्न हुआ! कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजयुमो संचित अग्रवाल पूर्व जिला महामंत्री सुशील गुप्ता पूर्व मण्डल अध्यक्ष ब्रम्ह कुमार सिंह मण्डल अध्यक्ष मयंक सिंह मदन राठौर अतुल मिश्रा गणेश शुक्ला अजय बाजपेई अरुण वर्मा नवीन पटेल शिवम् मिश्रा कृष्णकांत सिंह धर्मेंद्र सिंह संदीप पाण्डेय दुर्गेश सिंह निर्भय वर्मा मृगेंद्र सिंह सभासद प्रतिनिधि समीर अहमद एजाज अहमद राजेश सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता मातृ शक्ति सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे!

एनएच 731 का रेलवे ओवर ब्रिज चंद महीनो में धंसा, निर्माण गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

■ घटिया निर्माण व जिम्मेदारों की उदासीनता का नतीजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कछौना (हरदोई)। जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग 731 लखनऊ पलिया पर बालामऊ कानपुर रेलखंड के ऊपर कछौना में बना रेलवे ओवर ब्रिज महज चंद् महीने में ही धंस गया जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं! करोड़ों रुपए की लागत से तैयार किया गया यह ओवर ब्रिज आम जनता की सुविधा और यातायात सुगमता के उद्देश्य से बनाया गया था लेकिन समय से पहले ही इसमें आयी बड़ी खामियों ने जिम्मेदार विभागों और निर्माता कंपनी की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है!

हाईवे निर्माण कार्य के चलते स्थानीय लोग इसकी गुणवत्ता पर लगातार सवाल उठाते चले आ रहे हैं! स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले कुछ दिनों से पुल के एक हिस्से में मामूली दरें और सड़क धसने के संकेत दिखाई दे रहे थे! सूचना पर हाईवे निर्माता कंपनी पीएनसी द्वारा पुल के ऊपर व नीचे वाहनों के आवागमन पर रोक लगा दी गई है लेकिन यह धंसाव व दरारें दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं जो स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय है! लोगों का कहना है की शुरुआत से ही कार्य में अनियमिताओं की शिकायतें उठाती रही थी लेकिन जिम्मेदारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया! विभागीय अधिकारियों द्वारा मौके का निरीक्षण कराकर मरम्मत् कार्य कराया जा रहा है! विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी और ब्रिज का अल्प अवधि में बैठ जाना गंभीर इंजीनियरिंग त्रुटि या निर्माण में घोर लापरवाही की ओर संकेत करता है! यदि समय रहते स्थाई सुधारात्मक कदम नहीं उठाए जायेंगे तो भविष्य में यह आम लोगों की जान के लिए खतरा बन सकता है! स्थानीय नागरिकों व राहगीरों का कहना है कि इससे सुरक्षा मानकों की अनदेखी कहें या भ्रष्टाचार घ् फ्लिहाल लोग इसे घटिया निर्माण का नतीजा बता रहे हैं! ओवर ब्रिज पर पड़ी बड़ी दरारें व धंसाव निर्माण गुणवत्ता पर बड़े सवाल खड़े करता है साथ ही जिम्मेदारों की लापरवाही भी उजागर करता है!

सच्चे मन से की गई भक्ति ही जीवन को सफल बनाती है: रामा शास्त्री

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। क्षेत्र के (बाबटमऊ) में आयोजित श्रीमदभागवत कथा के छठे दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा व्यास रामा शास्त्री (छबीले पुरवाए गुरसहायगंज, कन्नौज) ने अपने सुंदर मुखारबिंदु से भक्तों को कथा प्रसंग सुनाकर भावविभोर कर दिया।

कथा के दौरान रामा शास्त्री ने भगवान की महिमा, भक्ति के महत्व और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि सच्चे मन से की गई भक्ति ही जीवन को सफल बनाती है। उन्होंने कथा प्रसंगों के माध्यम से सत्य, सेवा और संस्कारों का संदेश दिया। उनके ओजस्वी व मधुर वाणी से पूरा पंडाल भक्तिमय वातावरण में डूब गया। कथा स्थल पर आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने भक्ति रस का आनंद लिया। कथा के पश्चात आरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन भी किया गया। परीक्षित शिवमंगल ने बताया कि कथा का समापन दिवस भी भव्य रूप से मनाया जाएगा तथा अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की गई है।

नर्मदा स्थिति टेढ़ेश्वरनाथ महाराज के दरबार में उच्च शिक्षा मंत्री ने मत्था टेका, आशीर्वाद लिया

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च

शिक्षा राज्य मंत्री एवं शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक राजनी ने रविवार को महाशिवरात्रि पर्व के चलते दोपहर ०1:00 बजे नर्मदा स्थल स्थित टेढ़ेश्वर नाथ महाराज के दरबार में पहुंचकर मत्था टेका, पूजन अर्चन किया और आशीर्वाद लिया। महाशिवरात्रि पर्व के चलते आज टेढ़ेश्वर नाथ महाराज के दरबार में सुबह से ही महिला, पुरुष भक्त जनों की भारी भीड़ जुट रही है। ऐसे में उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने भी महाराज जी के दरबार में पहुंचकर माथा टेका और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू, अंकित मिश्रा, आकाश पांडे, अंकित गुप्ता, आनंद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

ग्राम सभा तालाब भूमि पर अवैध कब्ज़ा व निर्माण, दो पर मुकदमा दर्ज

मल्लावाँ (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। तहसील बिलग्राम क्षेत्र के ग्राम मवैय्या में ग्राम सभा की तालाब भूमि पर अवैध निर्माण का मामला प्रकाश में आया है। हल्का लेखपाल की तहरीर पर मल्लावां थाने में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। लेखपाल अनुप कुमार यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि ग्राम मवैय्या स्थित तालाब की गाटा संख्या 11, रकबा 0.3290 हेक्टेयर भूमि ग्राम सभा की संपत्ति है। आरोप है कि इसी भूमि के एक हिस्से पर गांव निवासी रिकू पाल व विपिन पाल पुत्र रामप्रकाश द्वारा अवैध रूप से निर्माण कार्य कराया जा रहा था। तहरीर के अनुसार, सूचना पर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य रुकवाया गयाए लेकिन आरोपितों ने चेतावनी के बावजूद निर्माण कार्य जारी रखा और चोरी-छिपे निर्माण कर लियाए जिससे ग्राम सभा की संपत्ति को क्षति पहुंची। पुलिस ने लेखपाल की तहरीर के आधार पर दोनों आरोपितों के खिलाफ लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना कर कार्रवाई की गई।

■ परिजनों की तहरीर पर मल्लावां कोतवाली में मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की तलाश

नवयुवती को भगाने के आरोप मे रिपोर्ट दर्ज

मल्लावाँ (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती को कथित रूप से बहला.फुसलाकर ले जाने के मामले में पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफएफआईआर दर्ज की है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता के पिता द्वारा दी गई तहरीर में बताया गया है कि उनकी लगभग 18 वर्षीय पुत्री रिश्तेदारी में पुणे गई हुई थी, जहां वह करीब 10-12 दिन तक रही। आरोप है कि इसी दौरान गांव के ही एक युवक ने मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क किया और उसे अपने प्रभाव में ले लिया। परिजनों का कहना है कि 12 फरवरी 2026 की रात युवती अचानक बिना बताए वहां से चली गई। बाद में जानकारी मिली कि उक्त युवक उसे अपने साथ ले गया है। काफी तलाश के बावजूद युवती का पता नहीं चलने पर परिवार ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। मल्लावां पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार युवती की सकुशल बरामदगी के लिए टीम गठित कर कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरी मांगने पर दलित ने मारपीट का आरोप लगाया

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मगियावां निवासी दलित युवक ने ऐगवां निवासी दो लोगों पर मजदूरी के पैसे मांगने पर जातिसूचक गाली गलौज कर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को लिखित तहरीर दी है। पुलिस प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच पड़ताल कर रही है। पीड़ित कुलदीप पुत्र पेमन के अनुसार वह मजदूरी करता है। इमरान निवासी ऐगवां और सलमान निवासी लोनी के साथ वह पुताई का कार्य करने शाहजहांपुर गया था। जिसमे 36 दिन की मजदूरी छह सौ रूपये रोज के हिसाब से इक्कीस हजार छह सौ रूपए आरोपियों पर बाकी थे जिसमें से उन्होंने 7,600 रूपए दे दिए । शेष चौदह हजार रूपए देने में आरोपी आना कानी कर रहे थे। 14 फरवरी को सुबह करीब 9 बजे दोनों आरोपी उसे आंझी स्टेशन पर मिले। उसके द्वारा अपने मजदूरी के पैसे मांगने पर आरोपियों ने उसे जातिसूचक गाली गलौज करते हुए लात घूसों से मारपीट कर घायल कर दिया और भविष्य में पैसे मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़ित ने घटना की लिखित तहरीर कोतवाली पुलिस को दी है। पुलिस ने तहरीर लेकर जाँच शुरू कर दी है।

मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हुआ आयोजित

रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण के लिए निकलती मां दुर्गा की प्रतिमा।

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। पलिया में आयोजित मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं श्रीमद् भागवत कथा के दौरान रविवार को भक्ति की अविरल धारा बही। कार्यक्रम के विशेष अवसर पर जहाँ एक ओर मां दुर्गा की प्रतिमा का भव्य नगर भ्रमण कराया गयाए वहीं दूसरी ओर कथा पंडाल में भगवान श्री कृष्ण की बाल लीलाओं का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए।

रविवार सुबह गाजे.बाजे और ढोल के साथ मां दुर्गा की शोभायात्रा निकाली गई। माता रानी की प्रतिमा को रथ पर सवार कर पूरे गांव का भ्रमण कराया गया। ग्रामीणों ने जगह-जगह आरती उतारकर और पुष्प वर्षा कर माता का स्वागत किया। जय माता दी के उद्घोष से पूरा वातावरण गुंजायमान रहा। नैमिषारण्य धाम से पधारे कथा व्यास पंडित अशोक जी ने भागवत कथा के दौरान भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का सजीव चित्रण किया। उन्होंने माखन चोरी, गोचारण और यशोदा मैया के प्रेम के प्रसंग सुनाते हुए कहा कि प्रभु की लीलाएं हमें निस्वार्थ प्रेम और भक्ति का मार्ग दिखाती हैं। पंडित जी के भजनों पर श्रद्धालु झूमने को मजबूर हो गए.इस अवसर पर रामजीवन सक्सेना, सरोज सक्सेना, संजीवन सक्सेना, विश्वमोहन मिश्रा, अनुज यादव, प्रदीप, अश्वनी आदि श्रद्धालु मौजूद रहे।

गंगा घाटों पर उमड़ा आस्था का सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर शनिवार को क्षेत्र के गंगा घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। हरपालपुर के चियासर घाट से लेकर अरवल के कुसुमखोर और तेरा पुरसौली घाट पर भोर सुबह से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। ठंड के बावजूद हजारों भक्तों ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ गंगा में डुबकी लगाई और मां गंगा का आशीर्वाद लिया। स्नान के पश्चात श्रद्धालुओं ने मंदिरों में भगवान भोलेनाथ का विधि-विधान से जलाभिषेक किया। शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और रुद्राक्ष अर्पित कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। ओम नमः शिवाय के जाप से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। घाटों के किनारे लगे छोटे मेलों और प्रसाद की दुकानों पर भी दिनभर काफी चहल-पहल बनी रही। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। गहरे पानी की ओर जाने से रोकने के लिए घाटों पर संकेतक लगाए गए थे और स्थानीय पुलिस बल तैनात रहा।

नैमिषारण्य 84 कोसी परिक्रमा को लेकर प्रशासन अलर्ट तैयारियां तेज़

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। नैमिषारण्य 84 कोसीय परिक्रमा को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन द्वारा तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में नायब तहसीलदार संडीला आकांक्षा अग्निहोत्री ने राजस्व टीम व पुलिस प्रशासन के साथ पहुंचकर गुरुवार को पुलिस चौकी से नहर पुल तक सड़क किनारे किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चलाया।

अभियान के दौरान सड़क किनारे बने पटरी पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि वे स्वयं अपना अतिक्रमण तत्काल हटा लें व बने नाले के अंदर सीमा में दुकान लगाएं । नायब तहसीलदार ने कहा कि 20 फरवरी को नगवा कोथावां पड़ाव पर परिक्रमार्थियों के पहुंचने में अब बहुत कम समय शेष रह गया है। परिक्रमा में आए हुए संत महात्माओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए इसी के चलते प्रशासन ने सड़क किनारे से अतिक्रमण को हटवाया है।

सभासद और उसकी पत्नी सहित चार पर केस दर्ज

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली पुलिस ने बुध बाजार के सभासद उसकी पत्नी और दो बेटों पर नगर पालिका के पूर्व सेवानिवृत्त सफाई लिपिक की तहरीर पर केस दर्ज किया है। भूमि विवाद के एक मामले में नायब तहसीलदार के न्यायालय के बाहर गली में मारपीट करने का आरोप लगाया गया। नगर पालिका परिषद के सेवानिवृत्त सफाई लिपिक इक्तेदार खां पुत्र मुस्तफा खां निवासी मोहल्ला मौखेल के अनुसार 13 फरवरी को नायब तहसीलदार के न्यायालय में भूमि विवाद के एक मामले में पैरवी करने गया था। जिसमें विपक्षी पक्षकार कौसर जहां एवं अजहर मसूद पुत्र मसूद खान बुध बाजार ने साजिश के बाद आकिबए आरिश पुत्रगण अजहर मसूद ने ०3:45 पर अपने अज्ञात तीन साथियों के साथ नायब तहसीलदार के न्यायालय के अंदर से बाहर तक लात घूसों से बुरी तरह से मारा पीटा। इक्तेदार ने बताया पीटते समय दबंग लोग यह कह रहे थे कि अगर कोर्ट में न होते तो आज जान से मार देते। घटना तहसील के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया तहरीर के आधार पर आरोपी सभासद, उसकी पत्नी और दोनों पुत्रों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

■ सेवानिवृत्त सफाई लिपिक ने लिखाई रिपोर्ट

युवक लापता, गुमशुदगी दर्ज

शाहाबाद (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला खलील निवासी युवक के लापता होने के मामले मे पीड़ित भाई की लिखित तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी है। मोहल्ला खलील निवासी नन्हे पुत्र शिवचरन के अनुसार उसका 30 वर्षीय भाई महेश मजदूरी करता है। 11 फरवरी की शाम को घर से बिना बताये कहीं चला गया। परिजनों ने उसे काफी तलाश किया लेकिन कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने युवक की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने चोरो को किया गिरफ्तार

हरपालपुर (हरदोई) (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्थानीय थाना पुलिस ने खेत की जाली उखाड़कर चोरी करने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया हैं।पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई लोहे की जाली के 5 बंडल और 8 लोहे के पाइप बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार,बड़ागांव निवासी आदेश कुमार ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि खसौरा स्थित उनके गाटा संख्या 1948 पर राजस्व टीम ने पुलिस की मौजूदगी में उन्हें कब्जा दिलाया था। सुरक्षा की दृष्टि से उन्होंने वहां लगभग 1.50 लाख रुपये की लागत से टाटा की जाली और लोहे के पाइप लगवाए थे। आरोप है कि 12 फरवरी को विपक्षी अनिल, पवन, मनसुख व उनके परिजनों ने मिलकर जाली व पाइप उखाड़ लिए और सीमेंट के पोल तोड़ डाले थे। पुलिस ने तहरीर के आधार की मुकदमा दर्ज किया था। रविवार को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर दिवसीपुर गांव निवासी आरोपी अनिल पुत्र स्वण्श्यामबाबू और सांडी थाना क्षेत्र के बंडारी गांव निवासी नेतराम पुत्र परमेश्वरदीन 05 बंडल लोहे की जाली और 08 अदद लोहे के पाइप सहित गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की हैं। हरपालपुर के प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि कि आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की गई है। शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा हैं।

शैक्षिक भ्रमण पर चंदेली के बच्चों ने देखा नवोदय विद्यालय

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। विकास खंड क्षेत्र के पीएम श्री विद्यालय चंदेली और देहलिया के बच्चों ने एक दिन के शैक्षिक भ्रमण पर नवोदय विद्यालय इटारा का भ्रमण किया। बच्चों ने स्कूल पहुंचकर नवोदय का शैक्षिक वातावरण को बारीकी से देखा और समझा कि कैसे बच्चे अच्छी शिक्षा पाने के लिए मां और पिता से दूर घर जैसे माहौल में शिक्षा लेते है। बच्चों ने स्कूल की विशाल लाइब्रेरी शयन कक्ष स्टेडियम रसोई और खाना खाने की जगह देखी। पीएम श्री स्कूल चंदेली के हेड मास्टर स्वदेश यादव ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाना था जिससे बच्चे रोज स्कूल आने और शिक्षा पाने के लिए प्रेरित ही। एनपीआरसी संघ प्रिय गौतम ने बताया कि भ्रमण और अपने आस पास से बच्चों को बहुत कुछ देखने और समझने सीखने का अवसर मिलता है। किताबों से पढ़ने से ज्यादा बच्चे देखने से समझते और सीखते है।

इस मौके पर नवोदय विद्यालय के प्रिंसी ने बच्चों के साथ में खाना खाया और बच्चों को गिफ्ट देकर उनका शिक्षा पाने के लिए हौसला बढ़ाया। इस मौके पर नवोदय विद्यालय स्टाफ मनीष प्रजापति सुनील यादव सूरज कुमार सपना शंखवार डॉ० के.के. नाग और पीएम श्री स्कूल से संघ प्रिय गौतम स्वदेश यादव कयूम खा अनिता आर्या विनय अवस्थी बच्चे वर्तिका कुशवाहा ,अगम मौर्य गुनगुन सिंह, सोनी, कामिनी शर्मा, चमन, शंकर और नैतिक मौजूद रहे।

अविश्वास प्रस्तावों की कहानी

विपक्ष के 128 लोकसभा सदस्यों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने का प्रस्ताव लाने के लिए एक नोटिस लोकसभा महासचिव को सौंप दिया है। कंाग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने बताया कि उन्होंने नियम 94सी के तहत लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। अब तक लोकसभा में 27 बार अविश्वास प्रस्ताव रखे जा चुके हैं। लोकसभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के विरुद्ध जे.बी. कृपालानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट और विरोध में 347 वोट पड़े थे। लेकिन 1978 में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई की सरकार को गिरा दिया था। अब तक सर्वाधिक 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है। उन्होंने अपने चारों प्रस्ताव इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध रखे थे। सर्वाधिक अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार रही है। इंदिरा गांधी सरकार के विरुद्ध 15 अविश्वास प्रस्ताव पेश किए गए थे। इसके अलावा पी.वी. नरसिम्हा राव और लाल बहादुर शास्त्री की सरकारों ने 3-3 बार अविश्वास प्रस्तावों का सामना किया था। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने एक बार इंदिरा गांधी की सरकार और दूसरी बार पी.वी. नरसिम्हा राव की सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था। संयोग की बात है कि अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के विरुद्ध भी 1996 व 1998 में दो बार अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया था और वह दोनों बार हार गए थे। सन 2018 में नरेंद्र मोदी की सरकार के विरुद्ध भी अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, लेकिन यह प्रस्ताव गिर गया था। लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला पर आरोप है कि वह विपक्ष के साथ भेदभाव करते हैं और सांसदों को बोलने का मौका कम देते हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब किसी लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया जा रहा हो। संसद के इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है।

लोकसभा में सबसे पहला अविश्वास प्रस्ताव अगस्त 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के विरुद्ध जे.बी. कृपालानी ने पेश किया था। लेकिन विपक्ष सरकार गिराने में नाकाम हो गया था, क्योंकि इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट और विरोध में 347 वोट पड़े थे। लेकिन 1978 में लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने मोरारजी देसाई की सरकार को गिरा दिया था। अब तक सर्वाधिक 4 बार अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का रिकॉर्ड माकपा सांसद ज्योतिर्मय बसु के नाम है।

अविश्वास प्रस्ताव भारतीय संसदीय परंपरा का ही एक हिस्सा है। जब भी विपक्ष को सरकार या फिर लोकसभाध्यक्ष पर भरोसा नहीं होता है तो उन्हें हटाने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया जाता है। लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव संविधान के अनुच्छेद 94(सी) के तहत लाया जाता है, इसे 'मोशन ऑफ रिमूवल' कहा जाता है। इसके तहत लोकसभा के अध्यक्ष को हटाया जा सकता है। वोटिंग में बहुमत मिलने पर अध्यक्ष को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार सन 1954 में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। लोकसभा के पहले अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया गया था। सोशलिस्ट पार्टी के नेता विघ्नेश्वर मिसिर यह प्रस्ताव लाए थे। इस प्रस्ताव पर लगभग दो घंटे तक चर्चा हुई थी, हालांकि बाद में उसे खारिज कर दिया गया। इस प्रस्ताव को जवाहर लाल नेहरू ने सदन की गरिमा का सवाल बताया था। सन 1954 के बाद लोकसभाध्यक्ष के विरुद्ध दूसरा प्रस्ताव 1966 में हुकम सिंह के विरुद्ध लाया गया। वहीं तीसरी बार 1987 में तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष बलराम जाखड़ के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। पिछले तमाम प्रस्तावों की तरह यह अविश्वास प्रस्ताव भी खारिज हो गया था। अब देखना यह है कि ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव कितना चल पाता है, इससे लोकसभाध्यक्ष की कुर्सी जाती है या फिर यह प्रस्ताव धड़ाम गिरता है। फिलहाल तो संख्या बल देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि ओम बिरला की कुर्सी जाएगी, बाकी आने वाला वक्त बताएगा।

बम भोले की बम-बम

हृदयनारायण दीक्षित

भारत के कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। वे इसी क्षेत्र को शिव उपासना का मूल केन्द्र बताने की गलती करते हैं। मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर ने शर शैय्या पर लेटे भीष्म से तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे।

हम भारत के लोग देवों को भी धरती पर बुलाते रहते हैं। ईश्वर भी धर्म संस्थापना के लिए अवतार लेते हैं। भारत देवभूमि है। भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। जहां-जहां आभा, प्रभा, सुभा और दिव्यता वहां-वहां देवता। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। भारत के कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। वे इसी क्षेत्र को शिव उपासना का मूल केन्द्र बताने की गलती करते हैं। मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर ने शर शैय्या पर लेटे भीष्म से तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, शिव गुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। ब्रह्मा, विष्णु और इन्द्र के सृष्टा हैं। वे प्रकृति से परे और पुरूष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है। संप्रति महाशिवरात्रि उत्सवों में भारत सहित एशिया के बड़े भूभाग में बम भोले की बम-बम है। शिव भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। गण देवता गणेश स्वाभाविक ही उनके पुत्र हैं। सत्य आराध्य है। लेकिन शिव सत्य आनंददाता हैं। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव अखिल ब्रह्म की ऊर्जा हैं। इस ऊर्जा प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने बहुत भड़काया- पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हाथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर? शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु। शिव ही सभी रूपों में प्रकट होकर रूप-रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में जब तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः। मन करता है कि प्रश्न पूछूं शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन अपना प्रश्न वापस भी लेता हूं। शिव तप का पुरूस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं। सुनता आया हूं कि शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। वैदिक ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां-औषधियां उगती हैं, खिलती हैं, खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। सोमवार को शिव आराधन की मुहूर्त जाना गया है। ठीक भी है। हमारे समाज में भी प्रतिष्ठित लोग सप्ताह में एक दिन खुलकर मिलते हैं, बाकी दिन व्यस्त रहते हैं। शिवभक्तों को सोमवार और शिवरात्रि प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। नहीं जानता सच। काशी बहुत जाता हूं लेकिन मंदिर दर्शन बहुत पहले एक बार ही हुआ। मैंने समूची काशी में शिव चैतन्य पाया है। मैं कर्मकाण्डी हूं नहीं। योग, तप से परिचित नहीं लेकिन भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए देवों के देव महादेव को नमस्कार करता हूं। शिव सभी कालों में हैं। काल के परे भी हैं लेकिन भारत के मन में वे पार्वती के साथ हैं। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दायीं आंख में ही काजल लगाया था, वह बाईं आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती-शिव जगत के माता-पिता हैं। विवाह के बाद सभी देवों ने शुभकामनाएं दीं। कालिदास जैसे प्रत्यक्षदशः बराती थे-शिव बारात के। उनकी अनुभूति में भारत का मन-दर्पण प्रकट हुआ है। सूरदास भी श्रीकृष्ण की बरात में गाना चाहते थे-सूरदास होई कुटिल बराती गीत सुमंगल गइहौं। अजब अंतर्विरोध, सुमंगल गीत लेकिन कुटिल बराती। हम शिव भक्त कांवड़ियों को दूर से ही देखते आए हैं। हम भी शिवार्चन उत्सवों में कुटिल आस्तिक की तरह दूर से सम्मिलित होते रहे हैं। मन को वात्सल्य रस देने वाली सई नदी हमारे गांव के पास ही शिव सीढ़ी का जलाभिषेक करती है। यहां भवरेश्वर शिव मंदिर में शिवरात्रि और सावन के सोमवारों में लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। लोकमन हर-हर महादेव हो जाता है। भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरा-पूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरितमानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना, सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे प्रतिपल यत्र तत्र सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। सोम और चन्द्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दायां नेत्र है और बायां चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं। सूर्य की अपनी प्रिय राशि सिंह है। चन्द्र की कर्क है। सूर्य इस यात्रा में कर्क से सिंह क्षेत्र में पहुंचते हैं। तब शिवार्चन की शुभ मुहूर्त बनती है। ऐसी संक्रांति सावन मास में पड़ती है। सो शिव को सावन प्रिय है। श्रीकृष्ण को बसंत ऋतु प्रिय है और मार्गशीर्ष-अगहन का मास। लेकिन शिव की बात निराली है। ऋतुराज बसंत में पृथ्वी और वायु का चरम आनंद है। बसंत हहराता है तब क्षिति, जल, पावक और गगन समीर भी मधुरसा हो जाते हैं। शिवरात्रि आती है। वायु सुकुमार लज्जाशील नायिका की तरह बहती है। मनुष्य सुगंध प्रिय है। ऋग्वेद वाले रूद्र शिव 'सुगंधि पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त-मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्ता। श्रीकृष्ण के पास बांसुरी तो शिव के पास डमरू। बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकार हो जाते हैं। लेकिन यही रूद्र शिव हैं। ऋग्वेद में जो रूद्र है, वही शिव भी है। त्रिशूल उनका हथियार। सोचता हूं कि ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर बहुत गहरे तक धंसा हुआ है। कह सकता हूं कि मैं भी त्रिशूलधारी हूं। सोम सामने है, भीतर ओम है। सोम ओम की यारी पुरानी है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था न्यम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। मैं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं। शिव निर्णय लें कि हमें कब संसार से मुक्त करना है? शिव को ओम् के साथ नमस्कार है-ओम नमः शिवाय।

बांग्लादेश की बदली राजनीतिक दिशाः भारत के सामने अवसर और अनिश्चितताएँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण, विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे।

बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव में बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) ने तारिक रहमान के नेतृत्व में प्रचंड बहुमत के साथ ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। सत्रह वर्षों के लंबे निर्वासन के बाद राजनीति में लौटे तारिक रहमान ने अपनी माँ और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए पार्टी को दो-तिहाई से अधिक सीटें दिलाईं। यह जीत न केवल चुनावी सफलता है बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में सत्ता संतुलन के व्यापक पुनर्संयोजन और नए राजनीतिक दौर की शुरुआत का संकेत भी है। भारत के लिए यह परिणाम अवसरों के साथ-साथ कई रणनीतिक अनिश्चितताएँ भी लेकर आया है, जिनका प्रबंधन आने वाले वर्षों में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेगा। पिछले डेढ़ दशक से अधिक समय तक बांग्लादेश की राजनीति पर अवामी लीग और शेख हसीना का वर्चस्व रहा। इस अवधि में स्थिरता, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय सहयोग के साथ-साथ सत्ता के केंद्रीकरण, विपक्ष के दमन और लोकतांत्रिक संस्थाओं के कमजोर होने के आरोप भी लगातार लगते रहे। लंबे समय तक एक ही राजनीतिक धारा के प्रभुत्व ने मतदाताओं में प्रशासनिक थकान और परिवर्तन की आकांक्षा को जन्म दिया। बीएनपी की जीत को इसी व्यापक जन-असंतोष और राजनीतिक विकल्प की तलाश के परिणाम के रूप में देखा जा सकता। तारिक रहमान लंबे समय से बांग्लादेश की राजनीति में एक प्रभावशाली किंतु विवादास्पद चेहरा रहे हैं। निर्वासन काल के दौरान उन पर भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कट्टरपंथी तत्वों से संबंधों जैसे आरोप लगे, जिनके कारण उनकी छवि धूमिल हुई। हालांकि दिसंबर 2025 में लंदन से स्वदेश वापसी के बाद उन्होंने अपने राजनीतिक दृष्टिकोण में बदलाव के संकेत दिए। उन्होंने पार्टी संगठन का पुनर्गठन किया, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया और जमीनी स्तर पर जन आंदोलन को पुनर्जीवित किया। निर्वासन काल के अनुभवों को उन्होंने राजनीतिक पूंजी में बदला और बीएनपी को चुनावी रूप से पुनर्स्थापित किया। इस संदर्भ में यह जीत केवल पारिवारिक विरासत का विस्तार नहीं बल्कि रणनीतिक पुनर्संयोजन, संगठनात्मक अनुशासन और बदलते राजनीतिक यथार्थ को समझने की क्षमता की सफलता भी मानी जा रही है। बीएनपी ने 13वें आम चुनाव में आर्थिक सुधार, भ्रष्टाचार उन्मूलन और अल्पसंख्यक सुरक्षा को अपने प्रमुख चुनावी मुद्दों के रूप में प्रस्तुत किया। बेरोज़गारी, महँगाई और शासन में पारदर्शिता की कमी जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को गहराई से प्रभावित किया। पार्टी ने अपनी पारंपरिक कट्टरपंथी छवि से दूरी बनाने का प्रयास किया और हिंदू समुदाय सहित सभी अल्पसंख्यकों को सुरक्षा का आश्वासन दिया। यह जनादेश इस बात को रेखांकित करता है कि लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक वर्चस्व और प्रशासनिक थकान के बाद मतदाताओं ने परिवर्तन को प्राथमिकता दी। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के माध्यम से सत्ता परिवर्तन ने यह भी संकेत दिया कि बांग्लादेशी समाज स्थिरता के साथ-साथ उत्तरदायी शासन की अपेक्षा रखता है। भारत के दृष्टिकोण से बीएनपी की यह जीत मिश्रित संकेत देती है। ऐतिहासिक रूप से भारत के संबंध अवामी लीग सरकार के साथ अधिक सहज और स्थिर रहे हैं। सीमा प्रबंधन, आतंकवाद-रोधी सहयोग और कनेक्टिविटी परियोजनाओं में शेख हसीना सरकार ने भारत के साथ घनिष्ठ तालमेल रखा। इसके विपरीत, बीएनपी को लेकर नई दिल्ली में हमेशा संदेह बना रहा है, विशेषकर 2001-06 के शासनकाल के अनुभवों के कारण। हालांकि हाल के वर्षों में तारिक रहमान ने भारत के प्रति अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने के संकेत दिए हैं। चुनाव से पहले भारत द्वारा बीएनपी को अनौपचारिक रूप से ललग्रीन सिग्नलङ्क देना इसी बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह संकेत करता है कि भारत अब बांग्लादेश की आंतरिक राजनीति में किसी एक दल पर निर्भर रहने के बजाय बहुआयामी संवाद की नीति अपनाने को तैयार है। आर्थिक दृष्टि से बीएनपी सरकार भारत के लिए नए अवसर खोल सकती है। बांग्लादेश भारत का एक प्रमुख व्यापारिक साझेदार है और दक्षिण एशिया में भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति का अहम स्तंभ भी। नई सरकार के कार्यकाल में द्विपक्षीय व्यापार के 20 अरब डॉलर तक पहुँचने की संभावना जताई जा रही है। कनेक्टिविटी परियोजनाओं, जलविद्युत सहयोग, सीमा व्यापार, डिजिटल कनेक्टिविटी और औद्योगिक निवेश जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिल सकती है। बांग्लादेश की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारतीय निवेश के लिए आकर्षक अवसर प्रस्तुत करती है। अल्पसंख्यक हितों की रक्षा को लेकर बीएनपी की सार्वजनिक प्रतिबद्धता भारत की सामाजिक और राजनीतिक चिंताओं को कुछ हद तक कम करती है। इसके बावजूद अनिश्चितताएँ बनी हुई हैं। बीएनपी पर कट्टरपंथी तत्वों के प्रति नरमी बरतने के आरोप लगते रहे हैं और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों की भूमिका को लेकर सतर्कता आवश्यक है। तारिक रहमान पर लगे पुराने भ्रष्टाचार आरोप, पाकिस्तान के साथ कथित संबंध और हालिया सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएँ भारत की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाती हैं। भारतऽबांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ, तस्करी, मानव तस्करी और आतंकवाद से जुड़े जोखिम भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुए हैं। यदि इन मुद्दों पर ठोस और पारदर्शी कार्रवाई नहीं होती तो द्विपक्षीय विश्वास प्रभावित हो सकता है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर केवल भारत-बांग्लादेश संबंधों तक सीमित नहीं है बल्कि इसका प्रभाव व्यापक दक्षिण एशियाई भू-राजनीति पर भी पड़ेगा। चीन और पाकिस्तान क्षेत्र में अपने प्रभाव को लगातार बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में भारत के लिए आवश्यक होगा कि वह बांग्लादेश के साथ आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत रखे, ताकि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन भारत के प्रतिकूल न जाए। बहुपक्षीय मंचों और उप-क्षेत्रीय सहयोग पहलों के माध्यम से संवाद और सहयोग को सुदृढ़ किया जा सकता है। ऐसे परिदृश्य में भारत के लिए संतुलित और सक्रिय कूटनीति अपनाना अनिवार्य होगा। अवामी लीग के साथ पुराने संबंधों को बनाए रखते हुए बीएनपी सरकार के साथ संवाद स्थापित करना भारत के दीर्घकालिक हित में है। एकतरफा झुकाव के बजाय संस्थागत और बहुदलीय संपर्क भारत को अधिक रणनीतिक लचीलापन प्रदान करेगा। मानवाधिकार, अल्पसंख्यक सुरक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों के मुद्दों की भारत को न तो उपेक्षा करनी चाहिए और न ही अत्यधिक हस्तक्षेप करना चाहिए। विवेकपूर्ण संतुलन भारत की प्रभावशीलता को बनाए रख सकता है। तारिक रहमान के नेतृत्व में बीएनपी की यह जीत भारत के लिए न तो पूरी तरह जोखिमपूर्ण है और न ही पूर्णतः अवसर-प्रधान। यह एक संक्रमणकालीन दौर है, जिसमें सतर्कता, संवाद और व्यावहारिक कूटनीति के माध्यम से भारत न केवल अपने हितों की रक्षा कर सकता है बल्कि भारतऽबांग्लादेश संबंधों को एक नई और अधिक परिपक्व दिशा दे सकता है। यदि अनिश्चितताओं का प्रभावी प्रबंधन किया गया और सहयोग के क्षेत्रों को सुदृढ़ किया गया तो यह राजनीतिक परिवर्तन न केवल द्विपक्षीय संबंधों बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में स्थिरता और सहयोग की संभावनाओं को भी सशक्त कर सकता है।

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की वैचारिक क्रांति

ललित गर्ग

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक धुरवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनस्र्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है।

बांग्लादेश की राजनीति एक बार फिर इतिहास के मोड़ पर खड़ी है। लगभग दो दशकों के लंबे अंतराल के बाद यदि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटती है और तारिक रहमान प्रधानमंत्री पद की दावेदारी तक पहुंचते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा परिवर्तन का संकेत होगा। 299 सीटों में से 212 पर विजय का दावा इस बात का प्रमाण है कि मतदाता लंबे समय से चली आ रही अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से बाहर निकलकर एक निर्णायक जनादेश देना चाहता है। छात्र आंदोलन से उपजी नेशनल सिटीजन पार्टी का मात्र छह सीटों पर सिमटना भी इस तथ्य को पुष्ट करता है कि जनभावना प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थायित्व की ओर झुक रही है। लगभग अठारह महीने से चल रही अंतरिम व्यवस्था के अवसान के साथ बांग्लादेश एक नए अध्याय में प्रवेश करने जा रहा है, पर प्रश्न यह है कि यह अध्याय उदार लोकतंत्र का होगा या किसी नए प्रकार के वैचारिक वर्चस्व का?

बांग्लादेश का इतिहास संघर्ष, त्याग और पहचान की जिजीविषा से निर्मित हुआ है। 1971 के मुक्ति संग्राम में भारत की निर्णायक भूमिका केवल सैन्य सहायता तक सीमित नहीं थी, वह सांस्कृतिक और मानवीय सहयोग का भी प्रतीक थी। परंतु पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक धुरवीकरण, कट्टरवादी विमर्श और बाहरी प्रभावों ने उस ऐतिहासिक आत्मीयता पर धुंध डालने का प्रयास किया। अंतरिम सरकार के दौरान जिस प्रकार वैचारिक कठोरता और प्रशासनिक असमंजस दिखा, उसने अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने दोनों को प्रभावित किया। ऐसे समय में स्पष्ट जनादेश को स्थिरता का अवसर माना जा सकता है, बशर्ते सत्ता इसे प्रतिशोध का माध्यम न बनाए, बल्कि पुनर्निर्माण का औजार बनाए। तारिक रहमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती सांप्रदायिक सौहार्द की पुनस्र्थापना होगी। बांग्लादेश का सामाजिक ढांचा बहुलतावादी है, वहां अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा और सम्मान केवल नैतिक दायित्व नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से दूरी बनाकर विकासोन्मुखी एजेंडा अपनाती है, तो वह न केवल आंतरिक स्थिरता ला सकती है, बल्कि दक्षिण एशिया में एक सकारात्मक उदाहरण भी प्रस्तुत कर सकती है। पर यदि चुनावी विजय को वैचारिक वर्चस्व के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो यह जनादेश अवसर से अधिक संकट में बदल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने मिसाल कायम की। किंतु राजनीतिक अस्थिरता और नीतिगत अनिश्चितता ने निवेशकों के विश्वास को झटका दिया। अब नई सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करे और विदेशी निवेश के लिए अनुकूल वातावरण बनाए। विकास की ललनई गंगाङ्क तभी बहेगी जब शासन पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी होगा। केवल नारे या राष्ट्रवाद की तीखी ध्वनियां आर्थिक संकट का समाधान नहीं बन सकतीं। भारत-बांग्लादेश संबंध इस चुनाव के सबसे महत्वपूर्ण आयामों में से एक हैं। दोनों देशों के बीच साझा इतिहास, सांस्कृतिक निकटता और आर्थिक परस्परता है। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे परस्पर विश्वास से ही सुलझ सकते हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण बयानबाजी ने संबंधों में अनावश्यक तनाव पैदा किया। यदि नई सरकार क्षेत्रीय संतुलन की नीति अपनाते हुए भारत के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद पुनः स्थापित करती है, तो यह दोनों देशों के हित में होगा। भारत ने बांग्लादेश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उस ऐतिहासिक साझेदारी को भावनात्मक नहीं, व्यावहारिक आधार पर पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। यह भी ध्यान रखना होगा कि दक्षिण एशिया की राजनीति अब केवल द्विपक्षीय समीकरणों तक सीमित नहीं है। चीन की बढ़ती उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और पाकिस्तान की पारंपरिक भूमिका-इन सबके बीच बांग्लादेश को संतुलित कूटनीति अपनानी होगी। यदि नई सरकार वैचारिक आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखती है, तो वह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन में एक परिपक्व भूमिका निभा सकती है। परंतु यदि विदेश नीति घरेलू राजनीति का विस्तार बन गई, तो अस्थिरता का चक्र फिर दोहराया जा सकता है। इस चुनाव का एक और महत्वपूर्ण संकेत यह है कि बांग्लादेश का मतदाता अब निर्णायकता चाहता है। लंबे समय तक आंदोलन, विरोध और अंतरिम प्रयोगों से थका समाज स्थिर शासन की आकांक्षा रखता है। किंतु स्थिरता केवल बहुमत से नहीं आतीय वह संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता से आती है। नई सरकार को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने की संस्कृति का नाम है। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या आलोचना को देशविरोध का रूप दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी। बांग्लादेश के लिए यह क्षण आत्ममंथन का भी है। क्या वह अपनी पहचान को केवल धार्मिक राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना सामाजिक न्याय और समान अवसर की थी। यदि नई सत्ता उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध होगा। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास की एक और चूकी हुई संभावना बन सकता है। भारत की दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। नई दिल्ली को प्रतिक्रिया में उतावलापन नहीं, बल्कि धैर्य और कूटनीतिक परिपक्वता दिखानी होगी। पड़ोसी देश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना ही दीर्घकालिक हित में है। सीमा पार आतंकवाद, अवैध घुसपैठ और तस्करी जैसे मुद्दों पर सख्ती के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना होगा। संबंधों में भावनात्मकता के बजाय व्यावहारिकता और पारस्परिक सम्मान की नींव आवश्यक है। अंततः यह चुनाव बांग्लादेश के लिए निर्णायक इसलिए है क्योंकि यह केवल सरकार बदलने का अवसर नहीं, बल्कि शासन की शैली और राष्ट्रीय दिशा तय करने का क्षण है। यदि नई सरकार कट्टरवाद से मुक्त, समावेशी और विकासोन्मुखी नीति अपनाती है, तो वह बांग्लादेश को स्थिरता और समृद्धि के पथ पर अग्रसर कर सकती है। परंतु यदि वह अतीत की कटु स्मृतियों और वैचारिक आग्रहों में उलझी रही, तो जनादेश की सार्थकता संदिग्ध हो जाएगी। बांग्लादेश को अब नई संभावनाओं, नई सोच और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ना है। यही इस चुनाव का संदेश है और यही उसकी वास्तविक परीक्षा भी।

हर-हर महादेव से गूंजे शिव मंदिर, शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

- शहर के प्रमुख बांबेश्वर मंदिर में आधी रात से उमड़े श्रद्धालु
- श्रद्धालुओं ने दूध और जल से भोले बाबा का किया अभिषेक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। महाशिवरात्रि पर जनपद के सभी शिवालय हर-हर-बम-बम के उद्घोष से गुंजायमान रहे। शिवालयों में बाबा के इतने भक्त दर्शनों को पहुंचे कि मंदिर का विशाल परिसर भी छोटा पड़ गया। महापर्व पर भोलेनाथ को जलाभिषेक व दुग्धाभिषेक कर प्रसन्न करने वालों की होड़ लगी रही। शिव दर्शन का सिलसिला रात 2 बजे से लेकर देर रात तक चलता रहा। मंदिरों में श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए बैरिकेटिंग का प्रबंध किया गया था।

आदिदेव महादेव के दरबार से कोई भक्त खाली हाथ नहीं लौटता। मान्यता है कि एक चावल का दाना मात्र अर्पित करने से भोला भंडारी जिस पर प्रसन्न होते हैं, तीन लोक की संपत्ति तक प्रदान कर देते हैं। समूचे जनपद में महाशिवरात्रि का पर्व रविवार को धूमधाम से मनाया गया। रात 2 बजे से ही श्रद्धालुओं का रेला शहर के प्रमुख शिवालयों विशेषकर वामदेवेश्वर की ओर कूच करने लगा। शहर के कैलाशपुरी स्थित वामदेवेश्वर महादेव मंदिर की तरफ जाने वाली शायद ही कोई सड़क रही हो, जिसमें भक्तों की भीड़ न हो। शिवभक्तों ने मंदिर में गुफा के भीतर जाकर शिवलिंग का विधिविधान के साथ जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। इस बीच विधिवत पूजन करने के लिये श्रद्धालुओं में होड़ लगी रही। शिव भक्तों ने भगवान भोलेनाथ के उनका प्रिय फल धतूरा, बेलपत्र, अपराजिता के पुष्प अर्पित कर प्रसन्न करने का प्रयास किया। सुबह के समय भीड़ कुछ कम थी, लेकिन बाद में संख्या बढ़ती चली गई। दोपहर बाद पुरुष दर्शनार्थियों की संख्या में भी इजाफा होता दिखा। शिवमंदिर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ पहुंच जाने से गुफा तक पहुंचने में श्रद्धालुओं को घंटों कतार में खड़े रहना पड़ा। कमेटी कार्यकर्ताओं ने श्रद्धालुओं की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए पहले से ही बेहतर इंतजाम किए थे। मंदिर में नीचे से लेकर ऊपर तक बैरीकेटिंग का बेहतर इंतजाम किया गया था। सीढ़ियों में भी कार्यकर्ता सारा दिन अपनी ड्यूटी पूरी मुस्तैदी से निभाते नजर आये, ताकि शिव की गुफा तक पहुंचने में महिलाओं और पुरुष श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। आपस में धक्कामुक्की को रोकने के लिये कार्यकर्ताओं ने बैरिकेटिंग के जरिए महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग-अलग रास्ता बनाया था। मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने के लिए सहायक पुलिस अधीक्षक मेविस टॉक की अगुवाई में महिला-पुरुष पुलिस टीमों ने मोर्चा संभाला। वहीं शहर के पंचानन मंदिर समेत महेश्वरी देवी मंदिर, संकट मोचन मंदिर, कालीदेवी मंदिर, महामाई मंदिर, पंचानन भगवान खुटला समेत अनेक प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। भगवान भोलेनाथ का दर्शन, वंदन और पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कुछ श्रद्धालुओं ने इस महापर्व पर ओम नमः शिवाय के अखंड जाप का अनुष्ठान किया। शाम को भगवान भोलेनाथ की दिव्य झांकी प्रस्तुत की गई।

सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में हुई विशेष पूजा

महाशिवरात्रि पर चौतरफा शिव मंदिरों के साथ घरों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। इसी क्रम में इंदिरा नगर स्थित नवनिर्मित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक के साथ जलाभिषेक किया। आस्थावानों ने माथा टेककर महादेव का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा-अर्चना के बाद प्रसाद वितरित किया। महर्षि वामदेव वेलफ़ेयर सोसायटी के अध्यक्ष डा.अनिल त्रिपाठी और महामंत्री मनोज त्रिपाठी ने बताया है कि महाशिवरात्रि के अवसर पर विधिवत पूजा अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के बीच ठंडाई का प्रसाद वितरित किया गया।

नीलकंठेश्वर मंदिर में दर्शन को लगा रहा तांता

नरैनी तहसील क्षेत्र के कालिंजर दुर्ग स्थित नीलकंठेश्वर मंदिर में शिवभक्तों का तांता लगा रहा। मंदिर सहित क्षेत्र के तमाम शिव मंदिरों में शिव-पार्वती के विवाह की रस्मे पूरी कराई गईं। देर रात परंपरागत तरीके से कालिंजर गांव सहित सीमावर्ती मध्यप्रदेश के गांवों से तमाम शिव भक्त दर्शन को दुर्ग पहुंचे। मंदिर के पुरोहित शंकर प्रताप मिश्रा ने मंत्रोच्चारण कर भगवान शिव के टीका चढ़ाव, भांवरे, पांवपुजी आदि वैवाहिक रस्में पूरी कराईं। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। उधर कालिंजर महोत्सव की धूम के बीच नीलकंठेश्वर महादेव की पूजा अर्चना का क्रम भी चलता रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान के दूल्हा स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। सुबह से ही महिला पुरुष श्रद्धालुओं की भीड़ नीलकंठेश्वर मंदिर में उमड़ने लगी और देर रात तक पूजा अर्चना का सिलसिला चलता रहा।

माध्यमिक शिक्षक संघ अध्यक्ष बने राज किशोर व कैलाश चंद्र मंत्री

- जिला स्तरीय बैठक में निर्विरोध चुने गए सभी पदाधिकारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। माध्यमिक शिक्षक संघ जिला इकाई की बैठक के दौरान संगठन की नई जिला कार्यकारिणी गठित की गई। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए धरना-प्रदर्शन का ऐलान किया।

आदर्श बजरंग इंटर कालेज में रविवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ जिला इकाई की बैठक संगठन संरक्षक जमुना प्रसाद पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सर्वसम्मति से गांधी इंटर कालेज पनगरा (नरैनी) प्रधानाचार्य राज किशोर शुक्ला जिला अध्यक्ष व डीएवी इंटर कालेज के प्रवक्ता राजा कैलाशचंद्र को जिला मंत्री नियुक्त किया। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए जिला स्तर पर शिक्षकों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए धरना प्रदर्शन का ऐलान किया। बैठक में मंडलीय मंत्री मेजर मिथिलेश कुमार पांडेय, प्रांतीय सदस्य पतिराखन सिंह, राजेश कुमार तिवारी, अजीत सिंह, रामचंद्र सोनकर, रमेश चंद्र, देव कुमार वर्मा, नीरज शर्मा, रामबाबू वर्मा, ब्रजमोहन सिंह, सूरज प्रजापति, सत्येंद्र कुमार, मंगल प्रसाद, शिवदत्त गुप्ता, गोरेलाल गुप्ता रामायणी सहित तमाम शिक्षक उपस्थित रहे।

जल शक्ति राज्यमंत्री ने कालिंजर महोत्सव का किया शुभारंभ

नरैनी। तीन दिवसीय कालिंजर महोत्सव का जल शक्ति राज्यमंत्री ने फीता और दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। राज्यमंत्री ने महोत्सव में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टाल का भ्रमण किया। नटराज संगीत महाविद्यालय की छात्राओं ने आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जल शक्ति राज्य मंत्री रामकेश निषाद ने रविवार को भव्य एवं दिव्य कालिंजर महोत्सव का फीता काट व दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। उन्होंने प्रदर्शनी के शुभारंभ के बाद महोत्सव में लगाए गए विभिन्न विभागों के स्टाल तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की तीन दिवसीय विकास से संबंधित प्रदर्शनी का भ्रमण किया। राज्यमंत्री ने सांस्कृतिक धरोहर को विकसित करने के लिए प्रदेश सरकार जोर दे रही है। प्रदेश व केंद्र सरकार तेज गति से विकास कर रही है।

भवंस मेहता विद्याश्रम में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन, छात्रों ने दिखायी प्रतिभा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। भवन्स मेहता विद्याश्रम में शनिवार को भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन अत्यंत उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। प्रदर्शनी में विद्यालय के प्री-प्राइमरी से कक्षा 12वीं तक के सभी छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स के माध्यम से अपनी प्रतिभा, ज्ञान और रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन चायल के क्षेत्राधिकारी श्री अभिषेक सिंह ने किया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए विज्ञान एवं अन्य विषयों से संबंधित वर्किंग तथा नॉन-वर्किंग मॉडलों का गहन अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों पर पहुंचकर छात्रों से उनके प्रोजेक्ट्स की कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं उपयोगिता के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। छात्रों ने आत्मविश्वास के साथ अपने-अपने मॉडलों को प्रस्तुत करते हुए उनकी कार्यप्रणाली को स्पष्ट रूप से समझाया। छात्रों की वैज्ञानिक सोच, विषय-ज्ञान और नवाचार क्षमता से प्रभावित होकर मुख्य अतिथि ने उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि छात्रों द्वारा प्रत्येक प्रश्न का सटीक उत्तर देना विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता और शिक्षकों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। विद्यालय के प्रधानाचार्य बलैय्या गंगाराबोयिना ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। उप-प्रधानाचार्य सुधाकर सिंह ने स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया जबकि विद्यालय समन्वयक नसीम अंसारी ने शाल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावक, माता-पिता तथा विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे और बच्चों के प्रयासों की सराहना की। प्रधानाचार्य बलैय्या गंगाराबोयिना ने प्रदर्शनी को सफल बनाने में छात्रों की मेहनत, लगन एवं सृजनात्मकता की सराहना की। उन्होंने कार्यक्रम की तैयारी एवं मार्गदर्शन में जुटे समस्त शिक्षकों के योगदान को भी विशेष रूप से उल्लेखित किया। साथ ही, शत-प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराने वाले अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने घोषणा की कि प्रदर्शनी में भाग लेने वाले छात्रों को उनकी रैंक के अनुसार पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे, जिससे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहन मिलेगा। विद्यालय के निदेशक संदीप सक्सेना एवं कोषाध्यक्ष डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि इस प्रकार की विज्ञान प्रदर्शनी छात्रों में जिज्ञासा, नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायक होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर सीखते रहने तथा अर्जित ज्ञान का समाजहित में उपयोग करने का आह्वान किया। समग्र रूप से विज्ञान प्रदर्शनी छात्रों की प्रतिभा को सशक्त मंच प्रदान करने के साथ-साथ विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन एवं संस्कारों का प्रेरणादायी उदाहरण बनकर उभरी।

महाशिवरात्रि पर उमड़ा आस्था का सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सदर विधायक पंकज गुप्ता ने किया जलाभिषेक क्षेत्रवासियों की खुशहाली की कामना

उन्नाव। महाशिवरात्रि के पावन एवं पुण्य अवसर पर जनपद में आस्था और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के मंदिरों में पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसी क्रम में सदर विधायक पंकज गुप्ता ने शिवलिंग पर पूरे श्रद्धा, आस्था एवं भक्ति भाव के साथ जलाभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से समस्त क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

विभिन्न स्थानों पर हुए धार्मिक आयोजन

महाशिवरात्रि के अवसर पर जनपद के विभिन्न स्थानों पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दही चौकी में सुरेन्द्र जायसवाल द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया, वहीं देवाराकला स्थित वीरभद्रेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। कलेक्टरगंज में शिवप्रसाद पाण्डेय द्वारा भंडारे का आयोजन हुआ।

इसी कड़ी में सूरज शास्त्री के नेतृत्व में विशाल शिव शोभायात्रा निकाली गई, जबकि धीरेन्द्र प्रताप द्वारा भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। आईबीपी टंकी से निकाली गई शिव शोभायात्रा को सर्वप्रथम विघ्नहर्ता श्री गणेश जी का विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर हरी झंडी दिखाकर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ रवाना किया गया।

झंडेश्वर मंदिर में हुआ जलाभिषेक

शोभायात्रा के दौरान श्रद्धालु झंडेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां शिवलिंग पर जलाभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इसके उपरांत रामनगर में संतोष कुमार सोनी द्वारा आयोजित भंडारे में विधायक सहित अन्य श्रद्धालु सम्मिलित हुए तथा प्रसाद वितरण किया। पूरे जनपद में महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्तिमय वातावरण रहा।

धवन रोड मार्केट में गैलरी कब्जे को लेकर विवाद, दुकानदारों में आक्रोश

उन्नाव। शहर के धवन रोड स्थित एक मार्केट में गैलरी को लेकर पार्टनरों के बीच विवाद का मामला सामने आया है। आरोप है कि मार्केट के सात पार्टनरों में से छह को दरकिनार कर एक पार्टनर निखिल चौधरी अपनी पत्नी संगीता चौधरी को आगे कर गैलरी पर अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। मामले को लेकर दुकानदारों में रोष व्याप्त है और उन्होंने प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की है। दुकानदारों का कहना है कि संबंधित गैलरी का उल्लेख रजिस्ट्री में स्पष्ट रूप से दर्ज है। दस्तावेजों में इसे सब्जी मंडी की ओर खुलने वाला सार्वजनिक मार्ग दर्शाया गया है। इसके बावजूद उक्त गैलरी पर कब्जा कर उसे बेचने की कोशिश की जा रही है, जिससे अवैध रूप से धन अर्जित किया जा सके। व्यापारियों का आरोप है कि पूर्व में भी एक ही दुकान को दो बार बेचकर अनैतिक लाभ कमाया गया था।दुकानदारों के अनुसार जब वे गैलरी पर कब्जा रोकने का प्रयास करते हैं तो कथित रूप से गाली-गलौज कर दबाव बनाने की कोशिश की जाती है।

प्रजापति समाज के सर्वांगीण विकास को हर माह होगी बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। प्रजापति समाज के सर्वांगीण विकास, आर्थिक उत्थान एवं सामाजिक उन्नति के उद्देश्य से उन्नाव प्रजापति सभा लगातार प्रयासरत है। समाज को जागरूक करने और संचालित योजनाओं की नियमित समीक्षा के लिए अब प्रत्येक माह बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय गांधीनगर स्थित मैचलेस विद्यालय में आयोजित संस्था की मासिक बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष गायत्री प्रसाद प्रजापति ने कहा कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। समाज को दिशा-निर्देशन देने के लिए एक सामाजिक पत्रिका के प्रकाशन पर भी सहमति बनी। बैठक में यह भी तय किया गया कि समाज हित में संचालित योजनाओं की जानकारी प्रत्येक गांव तक पहुंचाई जाएगी। इसके लिए सभी पदाधिकारियों को पत्रक वितरित कर गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन के विस्तार को गति देते हुए तहसील स्तर पर गठन का निर्णय लिया गया। इस क्रम में तहसील हसनगंज के प्रभारी के रूप में महेंद्र प्रताप प्रजापति को मनोनीत किया गया।

15 मार्च को होगी अगली बैठक

उन्नाव प्रजापति सभा की अगली बैठक 15 मार्च, रविवार को आयोजित की जाएगी, जिसमें जिला व ब्लॉक पदाधिकारियों के साथ आमंत्रित सदस्यों को भी बुलाया गया है। बैठक में कन्हैया लाल प्रजापति, रामनरेश प्रजापति, डॉ. महावीर प्रजापति, राम नरेश फौजी, रामदत्त प्रजापति, रामाधार प्रजापति सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

समता मूलक समाज के पथ प्रदर्शक थे संतराम बीए

बांदा। शहर के जिला परिषद चौहारा स्थित मैरिज हाल में रविवार को अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार महासभा प्रजापति के तत्वाधान में समाज सुधारक संतराम बीए को जयंती पर याद करते हुए उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। पूर्व राज्यमंत्री जगदीश प्रसाद प्रजापति ने कहा कि महापुरुषों को याद रखते हुए समाज को जोड़ने का निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंजाब प्रांत के होशियारपुर जैसे छोटे से गांव में जन्मे महामानव संतराम बीए जात-पात के खिलाफ काफी मुखर रहे। उन्होंने जाति तोड़क मंडल की स्थापना की थी। उन्होंने सर्व समाज को जागरूक करते हुए लोगों को संगठित और शिक्षित होने पर ज्यादा बल दिया। उन्होंने सर्वसमाज को एक दिशा दी है। प्रदेश मुख्य महासचिव अमित प्रजापति ने कहा कि वह निर्भीक, निडर एवं बेबाक वक्ता ही नहीं बल्कि कलम के सिपाही भी थे। उन्होंने लेखिनी को ही अपने संघर्ष का अस्त्र-शस्त्र बनाकर राष्ट्र को जगाने का महान कार्य किया। इस मौक पर युवा जिलाध्यक्ष सुल्तान प्रजापति, सुधीर चक्रवर्ती, आरडी प्रजापति, संतोष प्रजापति, सुखलाल बौद्ध, रामसेवक प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

पति को चारपाई में बांधकर युवती ने जहर खाकर जान दी

बांदा। पैलानी थाना क्षेत्र के पिपराहरी गांव निवासी शबाना (30) ने रविवार की दोपहर सल्फास की गोलियां खा लीं। हालत बिगड़ने पर पति ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पति मोहम्मद अनीस ने बताया कि रविवार को पड़ोसी दोस्त के यहां उसकी दावत थी। शबाना उससे खाना खाने के लिए कह रही थी। उसने खाना खाने से मना कर दिया। कहा कि उसे दोस्त के यहां खाना खाने जाने है। इसी बात को लेकर दोनो में विवाद हो गया। नाराज होकर पत्नी ने उसे चारपाई पर बांध दिया। सल्फास की गोली खा ली। पत्नी के जहर खान के बाद खुद को आजाद किया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। उधर, बिसंडा थाना क्षेत्र के बड़ा गांव निवासी बसंत लाल (28) पुत्र सुखदेव ने रविवार की सुबह जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पत्रकार आयोग गठन की बुलंद की आवाज

बांदा। प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक में पत्रकार आयोग गठन की आवाज बुलंद की गई। जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह गौतम ने पेजा संगठन की पुरानी कमेटी को भंग करते हुए फरवरी माह में संगठन के सदस्यों के साथ बैठक कर नई कमेटी गठन की बात कही। कहा कि नई कमेटी में सक्रिय पत्रकारों को नई जिम्मेदारी दी जाएगी। प्रदेश महासचिव नंदकिशोर शिवहरे ने कहा कि पत्रकारों को अपना सम्मान और हक चाहिए तो संगठन को और मजबूत करना पड़ेगा। बैठक में हुकुमचंद सेठी, संजय कुशवाहा, शुभम सिंह, दीपक पांडेय, धर्मेंद्र सिंह, गेंदा लाल, प्रमोद शुक्ल, नरेंद्र सिंह तोमर आदि मौजूद रहे।

ट्रक से कुचलकर बाइक सवार युवक को मौत

बांदा। शहर कोतवाली क्षेत्र के भरखरी गांव निवासी विश्वनाथ त्रिपाठी (33) पुत्री हिम्मत महोबा जिला के सरीला में कौशल विकास योजना में काम करता था। शनिवार की रात वह अपने महोबा निवासी साथी पवन के साथ बाइक में बैठकर बुदेलखंड एक्सप्रेस-वे के रास्ते घर आ रहा था। मवई टोल प्लाजा से नीचे उतर कर मुख्य सड़क पर आते ही बेकाबू ट्रक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। विश्वनाथ की मौके पर मौत हो गई। पवन घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे के बाद वाहन समेत चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

लोडर की टक्कर से मैकेनिक की मौत

बांदा। शहर कोतवाली क्षेत्र के गायत्री नगर निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू (23) पुत्र रामबरन शनिवार को खुरहंड एसी बनाने के बाद बाइक से अपने मामा के घर प्रेमपुर (गिरवां) रुपये देने जा रहा था। मसुरी नहरी पटरी प्रेमपुर रोड पर सामने से आ रहे लोडर ने उसे टक्कर मार दी। उसकी मौके पर मौत हो गई। पीछे बैठा साथी मामूली रूप से चोटहिल हो गया। हादसे के बाद वाहन समेत चालक मौके से फरार हो गया।

फतेहपुर चौरासी में महाशिवरात्रि पर आस्था और भक्ति का संगम

- श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना कर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर स्थानीय श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के मंदिरों में पहुँचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने पूरे दिन-भर अपने भक्ति भाव के साथ जलाभिषेक और मंत्रोच्चारण किया। विशेषकर आयुष ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

क्षेत्र के विभिन्न मंदिरों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भक्तों की उपस्थिति रही। हर हर बम-बम के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठे और श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूजा-अर्चना के दौरान ऊगू सहित पूरे क्षेत्र में भक्ति भाव का अनुपम माहौल रहा।

श्रद्धालुओं ने आपसी भाईचारे और सामुदायिक एकता के साथ त्योहार मनाया। मंदिरों में धार्मिक आयोजनों के बीच भक्तों ने अपने परिवार और समुदाय के लिए सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। स्थानीय पंडितों ने विधि-विधानपूर्वक पूजन सामग्री का संचालन किया। समारोह में उपस्थित लोगों ने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पर्व आस्था और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है। कार्यक्रम के समापन पर सभी भक्तों ने अपने-अपने घरों को लौटते हुए भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

फांसी लगाकर युवक ने दी जान, पत्नी व साली पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप

बांगरमऊ। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गांव आसायस में एक युवक ने घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के पिता भग्गालाल पुत्र श्रीकिशन ने थाना पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है कि उनके पुत्र पुष्पेंद्र का अपनी पत्नी से पिछले दो वर्षों से विवाद चल रहा था, जिसका मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि 15 फरवरी को पत्नी ने अपनी बहन के साथ मिलकर फोन पर पुष्पेंद्र को गंदी-गंदी गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। पिता का कहना है कि लगातार मानसिक दबाव और धमकियों से परेशान होकर पुष्पेंद्र ने रविवार दोपहर करीब एक बजे घर में पंखे से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि पत्नी और साली की मानसिक प्रताड़ना से आहत होकर युवक ने यह कदम उठाया। आहत पिता ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

महाशिवरात्रि पर सिद्धनाथ मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

- भोर से लगी भक्तों की कतारें, हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा परिसर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। महाशिवरात्रि पर्व पर जनपद के प्रसिद्ध प्राचीन सिद्धनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार भोर से ही मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ को बेलपत्र, दूध एवं गंगाजल अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर परिसर में हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जलाभिषेक कर भगवान शिव की आराधना की। सुरक्षा एवं व्यवस्था के लिए स्थानीय प्रशासन भी सक्रिय रहा।

200 वर्ष पुराना बताया जाता है मंदिर- स्थानीय लोगों के अनुसार सिद्धनाथ मंदिर का इतिहास लगभग 200 वर्ष पुराना है। मान्यता है कि पूर्व में यहां घना जंगल हुआ करता था। एक गाय प्रतिदिन एक स्थान पर दूध अर्पित करती थी। जब उस स्थान की खुदाई की गई तो वहां शिवलिंग प्रकट हुई। तभी से यहां मंदिर स्थापित है और निरंतर पूजा-अर्चना होती आ रही है। महाशिवरात्रि एवं सावन मास में यहां विशेष मेला लगता है। उन्नाव निवासी रवि वर्मा ने बताया कि यह अत्यंत प्राचीन मंदिर है और यहां आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि वह बचपन से यहां दर्शन करने आ रहे हैं और आज अत्यधिक भीड़ है। उन्नाव नगर के अलावा लखनऊ और कानपुर से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। रामनगर निवासी रिचा गुप्ता ने कहा कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के विवाह उत्सव का विशेष महत्व है। मंदिर में आकर मन अत्यंत प्रसन्न हो गया। वहीं गौरव गुप्ता ने बताया कि वह पिछले पांच वर्षों से नियमित रूप से मंदिर आ रहे हैं। यह अत्यंत प्रसिद्ध और आस्था का केंद्र है।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

- लिलौटी नाथ, मेढ़क मंदिर और गोला गोकर्णनाथ में व्यवस्थाओं का लिया जायजा
- सुरक्षा, ट्रैफिक, सीसीटीवी व मेडिकल व्यवस्थाओं पर विशेष फोकस
- श्रद्धालुओं से संवाद कर लिया फीडबैक, अफवाहों पर नजर रखने के निर्देश

एडीएम ने संभाली व्यवस्थाओं की कमान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जनपद के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भोर से ही हर-हर महादेव के जयघोष से मंदिर परिसर गुंजायमान रहे। इस दौरान एडीएम बातचीत कर व्यवस्थाओं की नरेंद्र बहादुर सिंह ने प्रशासनिक अमले के साथ व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया और श्रद्धालुओं से सीधे संवाद कर सुविधाओं पर फीडबैक प्राप्त किया।

एडीएम ने एसडीएम सदर अश्विनी कुमार सिंह के साथ सबसे पहले लिलौटी नाथ मंदिर पहुंचकर सुरक्षा, बैरिकेडिंग, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने कतारों में खड़े श्रद्धालुओं से जानकारी ली और ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। इसके बाद एडीएम का काफिला ओयल स्थित

प्राचीन मेढ़क मंदिर पहुंचा, जहां दूर-दराज से आए भक्तों की बड़ी संख्या मौजूद थी। यहां पार्किंग, ट्रैफिक नियंत्रण और चिकित्सा सहायता केंद्र की व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी स्थिति में श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। भ्रमण का अंतिम पड़ाव गोला गोकर्णनाथ स्थित छोटी काशी शिव मंदिर रहा। यहां लंबी कतारों और भक्ति से सराबोर माहौल के बीच एडीएम ने एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी के साथ कंट्रोल रूम, सीसीटीवी निगरानी और भीड़ प्रबंधन की तैयारियों का निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि पर्व की पवित्रता और सुरक्षा दोनों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। एडीएम ने संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी, अफवाहों पर कड़ी नजर और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि प्रत्येक श्रद्धालु सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सहज रूप से भगवान शिव के दर्शन कर सके। महाशिवरात्रि के अवसर पर जिले भर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिस बल, महिला कांस्टेबल, होमगार्ड और स्वयंसेवक मुस्तैदी से ड्यूटी पर तैनात हैं, वहीं चिकित्सा टीमें अलर्ट मोड पर रखी गई हैं।

महाशिवरात्रि पर परसेहरा गांव में उमड़ा आस्था का सैलाब, रामकृष्ण वर्मा ने कराया विशाल भंडारा

अज़ान खीरी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर रविवार को गोला तहसील क्षेत्र के परसेहरा गांव में भक्ति और सेवा का अनुपम संगम देखने को मिला। समाजसेवी रामकृष्ण वर्मा की पहल पर आयोजित विशाल भंडारे में सुबह से शाम तक हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ रामकृष्ण वर्मा ने विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया। इसके पश्चात सुबह 10 बजे से आलू-पूड़ी के भंडारे का आयोजन शुरू हुआ। परसेहरा गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर श्रद्धा भाव से प्रसाद ग्रहण किया। भंडारा शाम करीब 5 बजे तक निरंतर चलता रहा। इस सेवा आयोजन से पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना रहा। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने समाजसेवी रामकृष्ण वर्मा के प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता के साथ महाशिवरात्रि का पर्व उत्साह, श्रद्धा और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ।

धौरहरा में महाशिवरात्रि की भव्य शिव बारात ने बांधा समां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। उत्तर प्रदेश के खीरी जिले के धौरहरा कस्बे में महाशिवरात्रि का पावन पर्व श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया गया। कस्बे के प्रमुख धार्मिक केंद्र नागेश्वर महादेव मंदिर से निकली भव्य शिव बारात ने पूरे नगर को शिवमय कर दिया। सुबह से ही हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना, भंडारे और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ इस महापर्व में शामिल हुए। वैदिक हवन से हुआ शुभारंभ सुबह करीब 8 बजे मंदिर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन संपन्न हुआ। पंडितों ने भगवान शिव का दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक और बेलपत्र अर्पित कर विशेष आराधना की। दोपहर 2 बजे मुख्य शिव बारात का शुभारंभ हुआ, जिसमें ब्रह्माविष्णुमहेश की मनोहारी झांकियां, नंदी महाराज पर विराजमान शिवपार्वती और विभिन्न देवी-देवताओं की सजीव झलकियां शामिल रहीं। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज ने वातावरण को भक्तिरस से भर दिया। रंगारंग मार्ग और भक्तों का स्वागत ढोल-नगाड़ों, मंजीरों और शहनाइयों की लय पर शिव भजन गाते हुए भक्त गुलाल उड़ाते, नृत्य करते आगे बढ़े। बारात मंदिर से बस स्टॉप, कोतवाली गेट, हलवाई मंदिर चौराहा, गौरी मंदिर चौराहा, सदर बाजार और होली चौराहा होते हुए पुनः मंदिर लौटी। मार्ग में घरों की छतों व बालकनियों से अक्षत वर्षा, पुष्पवर्षा और गुलाल की बौछार ने माहौल को और रंगीन बना दिया। कई स्थानों पर पुष्पांजलि, शरबत और जलपान से श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। प्रसाद वितरण के साथ समापन, सुरक्षा रही चाक-चौबंद

शाम करीब 5 बजे बारात के मंदिर लौटने पर समिति द्वारा प्रसाद और सूक्ष्म भोजन का वितरण किया गया। मंदिर समिति के पदाधिकारियों ने इसे दशकों पुरानी परंपरा बताते हुए कहा कि यह आयोजन धौरहरा की सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक एकता को सशक्त करता है।

पूरे आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। धौरहरा थाना प्रभारी रविंद्र सोनकर स्वयं बारात के साथ चलते रहे और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी की। किसी भी अप्रिय घटना के बिना आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ महाशिवरात्रि का यह भव्य उत्सव धौरहरा की सनातन परंपराओं को मजबूती देते हुए भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना।

फैमिली केयर हॉस्पिटल में निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, डॉक्टरों ने बांटी दवाइयां

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। धौरहरा कस्बे के मोहल्ला राम वाटिका स्थित फैमिली केयर हॉस्पिटल में हाल ही में एक निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने सहभागिता की, जहां प्रसूति, स्त्री रोग, बांझपन उपचार सहित सामान्य चिकित्सा सेवाओं की निशुल्क जांच की गई और आवश्यक दवाइयों का वितरण किया गया। शिविर में डॉ. श्वेता अवस्थी (एमबीबीएस, डीजीओ, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, पूर्व चिकित्सा अधिकारी, बीसीएम अस्पताल खैराबाद) तथा डॉ. अरविंद दीक्षित (एमबीबीएस, डीए, पूर्व चिकित्सा अधिकारी, बीसीएम खैराबाद) ने मरीजों का परीक्षण किया। डॉ. अवस्थी ने बताया कि अस्पताल में सामान्य व दर्दरहित प्रसव, सी-सेक्शन सर्जरी, बांझपन एवं पुरुष नपुंसकता उपचार, अनियमित मासिक धर्म, गर्भाशय फाइब्रॉइड और सफ़ेद स्राव जैसी स्त्री रोग समस्याओं का उपचार उपलब्ध है।

वहीं डॉ. दीक्षित ने रक्तचाप, मधुमेह, थायरॉइड, हृदय व फ़ेफड़ों से संबंधित रोग, दौरे, मूत्र पथ संक्रमण, मूत्र पथरी सर्जरी और बच्चों की बीमारियों के इलाज पर जानकारी दी।

अस्पताल में ओपीडी, आईपीडी, ओटी, विशेषज्ञ चिकित्सक और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हैं। यह लखीमपुर-खीरी के एलआरपी रोड पर फन मॉल के पास, यूएस बजाज शोरूम के पीछे स्थित है। संपर्क: 7081888314 स्थानीय निवासियों ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को पूरा करने में सहायक हैं। अस्पताल प्रबंधन ने भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे शिविर आयोजित करने का आश्वासन दिया।

कुकरा के वायरल मारपीट मामले में मैलानी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

तीन अभियुक्त हथियारों सहित गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। जनपद खीरी में अपराध की रोकथाम को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना मैलानी पुलिस को कुकरा के भारत मैरिज लॉन में हुए वायरल मारपीट प्रकरण में अहम सफलता मिली है। पुलिस ने वांछित तीन अभियुक्तों को घटना में प्रयुक्त हथियारों सहित गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य फरार अभियुक्तों की तलाश जारी है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक खीरी एवं अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी गोला रमेश कुमार तिवारी और थाना अध्यक्ष मैलानी बृजेश कुमार मौर्य के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस के अनुसार, कपड़ा व्यापारी/वादी तालिब पुत्र नसीम, निवासी कस्बा व थाना कैराना, जनपद शामली के साथ हुई मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। मामले में थाना मैलानी पर मु0अ0सं0 032/2026 धारा 115(2)/351 (2)/109(1)/3(5) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया था।

15 फरवरी 2026 को समय करीब 4:27 बजे, बांकेगंज रोड पर ग्राम ढाका मोड़ के पास से तीनों वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार भी बरामद किए गए। अभियुक्त अयाज के पास से एक अदद मडेई, अभियुक्त गुलाम मोहम्मद के पास से एक लोहे की सरिया तथा एक लोहे की रॉड बरामद हुई। गिरफ्तार किये अभियुक्तों में

अयाज पुत्र इरशाद, निवासी ग्राम जादमपुर, थाना खुटार, जनपद शाहजहांपुर, गुलाम मोहम्मद पुत्र रफीउल्ला, निवासी ग्राम कुकरा, थाना मैलानी खीरी, अतीक उर्फ अतीक पुत्र अतीउल्ला, निवासी ग्राम कुकरा, थाना मैलानी, खीरी पुलिस ने बताया कि तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक अवलीश कुमार पवार (चौकी प्रभारी कुकरा), कांस्टेबल गौरव कुमार, कांस्टेबल शैलेन्द्र कुमार, पीआरडी सियाराम पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनपद में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी वायरल प्रकरण में उपलब्ध वीडियो व फोटोग्राफ्स के आधार पर अन्य अभियुक्तों की तलाश लगातार की जा रही है।

एआईएमआईएम में जोश भरा स्वागत

- धौरहरा कार्यालय पर प्रदेश उपाध्यक्ष का आगमन, जिला पंचायत टिकट पर आवेदन सौंपे गए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

धौरहरा खीरी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के धौरहरा कार्यालय में सोमवार को प्रदेश उपाध्यक्ष जनाब उस्मान सिद्दीकी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनके साथ जिला अध्यक्ष जनाब नसीम सिद्दीकी और यूथ जिला अध्यक्ष आसिफ अहमद उर्फ आशू भाई भी उपस्थित रहे। धौरहरा विधानसभा व नगर पंचायत की टीम ने सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया। जिला पंचायत चुनाव के लिए टिकट आवेदन सौंपे

कार्यक्रम के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष जनाब उस्मान सिद्दीकी को जिला पंचायत चुनाव के लिए आवेदन पत्र सौंपे गए। धौरहरा प्रथम से शेखन पुरवा के बब्बू खां व उनकी टीम धौरहरा द्वितीय से ईसा नगर के जाहिद खां व उनकी टीम धौरहरा तृतीय से महिपाल सिंह नई नियुक्ति से कार्यकर्ताओं में उत्साह विधानसभा अध्यक्ष की सिफारिश पर जनाब उस्मान सिद्दीकी ने ग्राम टेंगनहा निवासी डॉक्टर शीबू उर्फ शाहाबू को विधानसभा महासचिव पद पर नियुक्त किया। इस निर्णय का कार्यकर्ताओं ने स्वागत करते हुए इसे संगठन को मजबूती देने वाला कदम बताया। विधानसभा अध्यक्ष महताब गांधी व उनकी टीम ने स्वागत व्यवस्था की पूरी जिम्मेदारी निभाई।

संगठन मजबूत, चुनावी तैयारी तेज

बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पार्टी की एकजुटता, नीतियों और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। नेताओं ने कहा कि आगामी जिला पंचायत चुनाव में इक्खइक्खइक्ख पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी और जन अधिकारों की मुखर पैरवी करेगी।

महाशिवरात्रि पर तीर्थ कुण्ड में बिना आचमन के हुआ जलाभिषेक, श्रद्धालु रहे मायूस

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ स्थित प्रसिद्ध शिव मंदिर (छोटी काशी) में इस वर्ष एक अलग स्थिति देखने को मिली। तीर्थ कुण्ड में जल न होने के कारण हजारों श्रद्धालुओं को बिना आचमन के ही भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करना पड़ा, जिससे कई भक्त मायूस होकर लौटे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आगामी 22 फरवरी को प्रस्तावित मंदिर शिलान्यास उत्सव की तैयारियों के चलते तीर्थ कुण्ड में जल भरने की अनुमति नहीं दी गई। महाशिवरात्रि के लिए व्यवस्थाओं को लेकर लखीमपुर से लेकर लखनऊ तक के अधिकारियों द्वारा पूर्व से कैंप किए जाने के बावजूद, तीर्थ कुण्ड में जल उपलब्ध न होना श्रद्धालुओं के लिए निराशाजनक रहा। इस विषय पर अधिकारियों से पूछताछ किए जाने पर शिलान्यास उत्सव की तैयारियों का हवाला दिया गया। प्रतीक्षा त्रिपाठी, उपजिलाधिकारी गोला ने बताया कि 22 फरवरी को मंदिर शिलान्यास का भव्य आयोजन प्रस्तावित है, इसी कारण तीर्थ कुण्ड में जल नहीं भरा गया। वहीं विजय शुक्ला रिंकू, नगर पालिका अध्यक्ष गोला ने कहा कि विधायक के दिशा-निर्देशों के अनुरूप शिलान्यास उत्सव की तैयारियां चल रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

ग्यारह वर्षीय शिव भक्त ने बालूकामई शिवलिंग बनाकर की विधिवत पूजा-अर्चना

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला के ग्राम कपरहा निवासी 11 वर्षीय पार्थ शुक्ला ने घर के सामने बरम बाबा स्थान के समीप बालू से निर्मित (बालूकामई) शिवलिंग बनाकर श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। पार्थ ने शिवलिंग पर बेलपत्र सहित विभिन्न प्रकार के फूल अर्पित कर भगवान शिव की आराधना की। पार्थ ने बताया कि शाम को विधिवत पूजा के उपरांत अगले दिन प्रातःकाल शिवलिंग का नदी में प्रवाह किया जाएगा। कम उम्र में शिवभक्ति की ऐसी लगन और निष्ठा देखकर ग्रामीण आश्चर्यचकित हैं। कई लोगों ने पार्थ को ह्लबाल शिव भक्तङ्क की संज्ञा देते हुए उसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की। यह दृश्य छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ क्षेत्र में महाशिवरात्रि के अवसर पर श्रद्धा और आस्था की एक प्रेरक मिसाल बन गया।

शिव बारात में खूब नाचे पागल,पछइयां और अघोरी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सरीला नगर में महाशिवरात्रि पर्व पर शिव जी की विशाल बारात निकाली गई। बारात में दूल्हा रूप में नंदी पर सवार शिव जी प्रख्यात शल्लेश्वर मंदिर से निकले तो हर हर बम बम के गगनभेदी नारों से वातावरण गूंज उठा। जगह-जगह लोगों ने शिव जी का टीका किया तथा छतों से शिव जी के ऊपर पुष्प वर्षा की। शिव बारात में पचास घोड़े भारी संख्या में बैंड बाजा, रब्बी, नागिन बैंड के अलावा सरस्वती विद्या मंदिर, ज्ञान मंदिर, शल्लेश्वर विद्यालय सहित अन्य शिक्षण संस्थानों की दो दर्जन से भी अधिक झांकियां तथा विभिन्न रूपों में सजे मनोहारी शिव एवं देवगण शामिल रहे, बारात शल्लेश्वर मंदिर से चलकर नगर के जुलूस मार्ग से भ्रमण करते हुए देर शाम पुनः मंदिर पर आकर समाप्त हुई। जहां पर सैकड़ों की संख्या में लोगों ने राजा हिमांचल के रूप में शिव जी का टीका किया। इसके बाद द्वारचार की रस्म निभाई गई। बाद में वैदिक रीति नीति से शिव जी के विवाह की परंपरा पूर्ण की गई।

भारतीय डाक विभाग ने महादेवा में लगाया गंगोत्री गंगाजल विक्रय काउंटर

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में भारतीय डाक विभाग की जिला शाखा रामनगर की ओर से महादेवा में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रविवार को गंगोत्री का गंगाजल विक्रय काउंटर लगाया गया। यहां लोगों को गंगाजल की एक 250 मिली. प्लास्टिक शीशी 30 रुपये में उपलब्ध कराई गई। श्रद्धालुओं ने गंगाजल खरीदा और भगवान शिव का जलाभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने डाक विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इससे दूरस्थ तीर्थ स्थानों का पवित्र जल आसानी से उपलब्ध हो रहा है और पूजा-अर्चना करने में सुविधा मिल रही है।

सैनिक हत्याकांड: कुरुक्षेत्र में मुख्य अभियुक्त की गिरफ्तारी को मृतक की बहन ने बताया पुलिस की मिली भगत

हाथरस। बीती पांच फरवरी को सेना के जवान अखिलेश कुमार की हत्या के मामले में मृतक जवान की बहन ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल कर तत्कालीन कोतवाली प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक की बहन का दावा है कि पुलिस की मिलीभगत से मुख्य आरोपियों को एनकाउंटर से बचाने के लिए हरियाणा में गिरफ्तार करवाया गया। बहन के अनुसार, जिस दिन सादाबाद पुलिस ने हत्याकांड में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था, उसी दिन हरियाणा पुलिस ने कुरुक्षेत्र में मुख्य आरोपित विक्रम और कमलकांत को तमंचा व कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उसने इसे पुलिस की मिलीभगत बताया, ताकि आरोपियों का एनकाउंटर न हो सके।

कोटेश्वर शिव मंदिर में भक्तों ने निकाली शिव बारात

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के कुरारा कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में महाशिवरात्रि के अवसर पर शिव भक्तों द्वारा शिव मंदिरों में पूजा अर्चना की गई। तथा बेरी गांव स्थित प्राचीन कोटेश्वर शिव मंदिर में भक्तों ने पूजा अर्चना की तथा भव्य शिव बारात का आयोजन किया गया। वहीं शंकरपुर गांव स्थित शिव मंदिर में भक्तों ने कांवर चढ़ाकर पूजा अर्चना की। क्षेत्र में शिवरात्रि की धूम रही शिवालयों में सुबह से ही भक्त पूजा करने के लिए एकत्र रहे।

क्षेत्र के बेरी गांव स्थित प्राचीन कोटेश्वर मंदिर में लोगो ने भगवान शिव को बेलपत्र, भांग, धतूरा, बेर, जौ आदि अर्पण कर पूजा अर्चना की तथा इसके बाद शिव बारात का भव्य आयोजन किया गया। शिव बारात गाजे बाजे के साथ मंदिर प्रांगण से प्रारम्भ होकर किला दरवाजे से होकर मेन बाजार से होकर, गांव में भ्रमण कर पुलिस चौकी से होकर वापस बाजार की तरफ गई। गांव में भ्रमण के दौरान लोगों ने बैल पर सवार शिव भेषधारी भगवान भोलेनाथ का तिलक कर स्वागत किया। बारात में शिव गण भूत-प्रेत चल रहे थे। दूल्हा बने शिव जी त्रिशूल लिए अंग में भस्म रमाए तथा सांप गले में डाले चल रहे थे। बम बम भोले के उद्घोष करते बाराती नाचते गाते चल रहे थे। बारात में महिलाओं द्वारा पुष्प वर्षा की गई। गांव भ्रमण के बाद वापस शिव मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुई। इस बारात में गांव सहित आसपास के गांवों के लोग मौजूद रहे। सुरक्षा के लिए पुलिस मुस्तैद रही। शांति पूर्ण माहौल में शिव बारात सम्पन्न हुई। क्षेत्र के शंकरपुर गांव स्थित प्राचीन शिव मंदिर में सुबह से भक्तों का आवागमन शुरू हो गया तथा लोगों ने पूजा अर्चन किया। तथा शिव भक्त कांवड़िए अपनी कांवर लेकर आए तथा पूजा अर्चना की इस अवसर पर मंदिर समिति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया।

शिवरात्रि पर 'हर-हर बम-बम' के जयकारों से गूंजी छोटी काशी

- लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा में चप्पे-चप्पे पर तैनात रहा प्रशासन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर छोटी काशी के नाम से विख्यात गोला गोकर्णनाथ में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों शिवभक्तों की उपस्थिति के बीच प्रशासन, नगर पालिका और मंदिर समिति की सतर्क व्यवस्था से पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

महाशिवरात्रि को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शिव मंदिर (छोटी काशी) के कपाट प्रातः 4:00 बजे खोल दिए गए थे। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु रात 2:00 बजे से ही कतारबद्ध होना शुरू हो गए थे। दिनभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहा और इस वर्ष पूर्व की अपेक्षा अधिक संख्या में भक्तों ने जलाभिषेक किया। शाम के समय नगर के श्रद्धालुओं द्वारा नीलकंठ मैदान से भगवान शिव की भव्य बारात निकाली गई। मुख्य मार्गों से गुजरती इस शिव बारात में गुलाल उड़ाते हुए, गगनभेदी जयकारों के साथ हजारों शिवभक्त नृत्य करते नजर आए। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय श्रद्धालुओं ने बारात का स्वागत करते हुए भांग और ठंडाई का वितरण किया। प्रशासन की ओर से शिव बारात की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह चाक-चौबंद रही। श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने में प्रतीक्षा त्रिपाठी (एसडीएम गोला), विजय शुक्ला रिंकू (चेयरमैन), भीमचंद (तहसीलदार), भानु प्रताप सिंह तथा ताहिर पूरी तरह जुटे रहे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की कमान रमेश तिवारी (सीओ गोला) और अंबर सिंह (गोला कोतवाल) के नेतृत्व में पुलिस बल ने संभाली। मंदिर परिसर और नगर के सभी प्रमुख मार्गों पर पुलिस जवानों की तैनाती रही। सुरक्षा को और पुख्ता करने के लिए एक दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरों से निरंतर निगरानी की गई। मेले की व्यवस्थाओं में तहसील प्रशासन से अरूणेश मिश्रा, अनिल त्रिपाठी, रमेश कुमार, मुबारक, कैलाश तथा नगर पालिका परिषद गोला से संजय कुमार, संदीप वर्मा, मोहित अवस्थी, अमित श्रीवास्तव और अवधेश कुमार सक्रिय रहे।

नेपाल पर बड़ी जीत से सुपर आठ में पहुंचा वेस्टइंडीज

एजेंसी

मुंबई। अनुभवी ऑलराउंडर जैसन होल्डर की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उत्कृष्ट खेल के दम पर वेस्टइंडीज ने रविवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में नेपाल को 28 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। नेपाल की तरफ से दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 47 गेंद पर 58 रन की शानदार पारी खेली जिससे उनकी टीम पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 133 रन बनाने में सफल रही। ऐरी ने अपनी पारी में तीन चौके और इतने ही छक्के लगाए। उनके अलावा सोमपाल कामी ने 15 गेंद पर चार चौकों की मदद से नाबाद 26 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में 15.2 ओवर में एक विकेट पर 134 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल किया। उसकी तरफ से कप्तान शाई होप ने 44 गेंद पर नाबाद 61 रन बनाए जिसमें पांच चौके और तीन छक्के शामिल हैं। शिमरोन हेटमायर ने चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 32 गेंद पर नाबाद 46 रन बनाए। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 91 रन की अटूट साझेदारी की। वेस्टइंडीज की यह लगातार तीसरी जीत है जिससे उसने छह अंक के साथ ग्रुप सी में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वह सुपर आठ में पहुंचने वाली पहली टीम है। इंग्लैंड चार अंक के साथ इस ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। नेपाल की यह लगातार तीसरी हार है और वह सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गया है। वेस्टइंडीज की जीत की नींव उसके गेंदबाजों ने रखी। उसकी तरफ से होल्डर सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने अपने चार ओवर में 27 रन देकर चार विकेट लिए। मैथ्यू फोर्ड ने किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया। होल्डर को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। बल्लेबाजी में वेस्टइंडीज ने शुरू से ही आक्रामक रवैया अपनाया। ब्रैंडन किंग (17 गेंद पर 22) ने केसी करन की पारी की पहली गेंद पर ही चौका लगाया। उन्होंने सोमपाल के पारी के पांचवे ओवर में तीन चौके जड़े लेकिन नंदन यादव के अगले ओवर में मिड ऑन पर कैच दे बैठे। वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में एक विकेट पर 44 रन बनाए। हेटमायर ने संदीप लामिचाने की गुगली पर पारी का पहला छक्का लगाया। इसके बाद उन्होंने नंदन की गेंद भी छह रन के लिए भेजी। होप सहजता से रन बटोर रहे थे। उन्होंने कुशाल भुर्तेल की गेंद पर अपना पहला छक्का लगाया। होप ने लामिचाने पर छक्का जड़कर 38 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया जो उनका टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10वां पचासा है। उन्होंने इसी गेंदबाज पर फिर से छक्का लगाया और फिर विजयी रन बनाया। नेपाल के सबसे अनुभवी गेंदबाज लामिचाने ने तीन ओवर में 38 रन दिये। इससे पहले अगर ऐरी की जुझारू पारी और कामी का आखिरी ओवरों में शानदार प्रदर्शन नहीं होता तो नेपाल की टीम अपने विशेषज्ञ बल्लेबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के कारण काफी कम स्कोर पर ही सिमट जाती। ऐरी ने दूसरे छोर से विकेट गिरने के बावजूद अपने धैर्य और आक्रामक रवैए का अच्छा नमूना पेश किया। उन्होंने हर ढीली गेंद पर जोरदार प्रहार किया जबकि विकेटों के बीच उनकी दौड़ अच्छी थी।

श्रीलंका के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच में स्मिथ को टीम में शामिल कर सकता है ऑस्ट्रेलिया

एजेंसी

पल्लेकल (श्रीलंका)। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप ग्रुप बी के महत्वपूर्ण मुकाबले में बिना किसी अगर मगर के सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवित रखने के लिए अनुभवी स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल करने पर विचार कर सकती है। पिछले मैच में जिम्बाब्वे से 23 रन की हार के बाद ऑस्ट्रेलिया पर टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। अब उन्हें सुपर आठ में पहुंचने के लिए ओमान और श्रीलंका के खिलाफ अपने दोनों ग्रुप मैचों में जीत हासिल करनी होगी, ताकि वे अन्य टीमों परिणामों पर निर्भर न रहें। ऑस्ट्रेलिया फिलहाल ग्रुप तालिका में दो मैचों में दो अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में खेल रही 2021 की चैंपियन टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ शीर्ष क्रम के नाटकीय पतन के बाद 146 रन पर आउट हो गई थी। कप्तान मिचेल मार्श चोटिल होने के कारण लगातार दूसरे मैच में नहीं खेल पाए। स्मिथ को मार्श के कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। इस 36 वर्षीय खिलाड़ी को हालांकि अभी तक आधिकारिक तौर पर 15 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया है। ऑस्ट्रेलिया उन्हें बिना किसी खिलाड़ी को बदले टीम में शामिल कर सकता है, क्योंकि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड के चोट के कारण बाहर होने के बाद उनके पास एक स्थान खाली है। स्पिन के खिलाफ स्मिथ का अच्छा रिकॉर्ड और इस प्रारूप में उनका हाल का शानदार प्रदर्शन टीम में शामिल किए जाने पर ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान कर सकता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह राहत की बात है कि ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस को पिछले मैच में अपने बाएं हाथ पर लगी चोट के बाद फिट घोषित कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया को संन्यास ले चुके मिचेल स्टार्क, चोटिल पैट कमिंस और हेजलवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी की कमी भी महसूस हो रही है। नाथन एलिस ने प्रभावित किया है लेकिन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस और जेवियर बार्टलेट महंगे साबित हुए हैं। लेकिन अगर कोई टीम हालात को पलट सकती है तो वह ऑस्ट्रेलिया है। ऑस्ट्रेलिया की इस टीम को भारत में हुए 2023 वनडे विश्व कप के दौरान भी ऐसी ही स्थिति का सामना करना पड़ा था। उस समय भी श्रीलंका के खिलाफ मिली जीत ने उनके लिए हालात बदल दिए, जिसके बाद उन्होंने फाइनल समेत नौ मैच जीतकर ट्रॉफी अपने नाम की थी।

संक्षिप्त समाचार

अपनी पूरी क्षमता के काफी करीब पहुंच गया है दक्षिण अफ्रीका: मारक्रम

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मारक्रम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ी जीत के बाद कहा कि उनकी टीम टी20 विश्व कप में अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने के काफी करीब पहुंच गई है। दक्षिण अफ्रीका ने गेंद और बल्ले दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले न्यूजीलैंड को 175 रन पर रोक दिया और फिर आसानी से लक्ष्य हासिल कर दिया। मारक्रम ने मैच के बाद संवाददाताओं से के कहा, ''आज हम अपनी पूरी क्षमता के काफी करीब पहुंच गए। मुझे लगता है कि हमने सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया। इस पिच पर माना जा रहा था कि 200 रन से अधिक का स्कोर बनेगा। ऐसे में उन्हें कम स्कोर पर रोकना बहुत अच्छा प्रयास था। पिच वास्तव में बहुत अच्छी थी और खेल आगे बढ़ने के साथ-साथ बेहतर होती गई। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान ने अपने गेंदबाजों की चतुराई से परिस्थितियों को समझने और आत्मविश्वास के साथ अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने की सराहना की। उन्होंने कहा, ''यह कोई तय योजना नहीं है। यह काफी हद तक बल्लेबाजों के खेलने के तरीके पर निर्भर करता है। अगर कोई बल्लेबाज पूरी क्षमता से खेलने की कोशिश कर रहा है और आप पर हावी होना चाहता है तो आपको उसके अनुसार गेंदबाजी करनी होगी और ऐसा गेंद की गति में बदलाव से भी किया जा सकता है। मारक्रम ने कहा, ''खेल के दौरान कुछ ऐसे अवसर भी आ सकते हैं जहां चीजें मुश्किल हो सकती हैं। यह एक नाजुक संतुलन है। लेकिन आज हमने परिस्थितियों के अनुसार खेला और सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि क्षेत्ररक्षण की सजावट गेंदबाज अपने हिसाब से करते हैं। इससे तेज गेंदबाजी करने या बीच में धीमी गेंद करने में लचीलापन आता है।

एआई का इस्तेमाल बढ़ने के साथ घट रही हैं प्रवेश स्तर की नौकरियां : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। कंपनियों के बीच कृत्रिम मेधा (एआई) की स्वीकार्यता बढ़ने से विशेष रूप से प्रवेश स्तर की भर्तियां प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। ओपनआई के समर्थन से इंडियन काउंसिल फॉर रिसर्च ऑन इंटरनेशनल इकॉनमिक रिलेशंस (इक्रियर) के एक अध्ययन के मुताबिक, एआई को अपनाने से पूरे क्षेत्र में नियुक्तियों को लेकर प्राथमिकताएं बदल रही हैं। अध्ययन के अनुसार, 63 प्रतिशत कंपनियों में डोमेन विशेषज्ञता और एआई या डेटा कौशल वाले कर्मचारियों की मांग बढ़ी है, क्योंकि एआई उनके मुख्य कामकाज के साथ एकीकृत हो गया है। 'एआई एंड जॉब्स: दिस टाइम इज नो डिफरेंट' शीर्षक वाली रिपोर्ट भारत में अब तक के जेन एआई स्वीकार्यता के कंपनी स्तर का आकलन है। यह अध्ययन नवंबर, 2025 और जनवरी, 2026 के बीच किया गया। इसमें भारत के 10 शहरों की 650 सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों की प्रतिक्रिया शामिल है। इसमें बताया गया, ''कंपनियों ने कहा है कि एआई की वजह से नियुक्तियों में मामूली कमी आई है। मुख्य रूप से प्रवेश स्तर पर ऐसा देखने को मिल रहा है। साथ ही मध्यम और शीर्ष स्तर पर भर्तियों में स्थिरता भी है। रिपोर्ट कहती है कि सॉफ्टवेयर डेवलपर और डेटाबेस प्रशासक जैसे एआई की जरूरत वाले क्षेत्रों में मांग सबसे ज्यादा बढ़ी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई से सबसे ज़्यादा प्रभावित 1,900 से ज्यादा कारोबारी खंडों में उत्पादकता में बढ़ोतरी, गिरावट से काफी ज्यादा है।

एआई इम्पैक्ट समिट: वैश्विक संवाद के लिए तैयार है भारत

नयी दिल्ली। भारत कृत्रिम मेधा (एआई) पर केंद्रित एक उच्च-स्तरीय वैश्विक शिखर सम्मेलन 'एआई इम्पैक्ट समिट' की मेजबानी करने जा रहा है। यह शिखर सम्मेलन विश्व नेताओं और उद्योग जगत के दिग्गजों को एक मंच पर लाएगा। एआई को बिजली के आविष्कार के बाद सबसे बड़े परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकी के रूप में देखा जा रहा है। यह शिखर सम्मेलन 16 से 20 फरवरी तक भव्य 'भारत मंडपम' में आयोजित होगा, जहां नीति-निर्माता, उद्योग जगत के दिग्गज और प्रौद्योगिकी नवोन्मेषक एकत्र होंगे। भारत के लिए यह वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात को रेखांकित करता है कि वह केवल भागीदार नहीं, बल्कि एआई युग के नियमों, मानकों और अवसरों को आकार देने वाला प्रमुख निर्माता बनना चाहता है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सचिव एस. कृष्णन ने कहा, हमारा मुख्य संदेश यह है कि एआई का विकास जन-केंद्रित और समावेशी होना चाहिए। एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक पहुंच होनी चाहिए और लोगों को इस प्रक्रिया के केंद्र में रखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा सहित कई वैश्विक नेता सम्मेलन में भाग लेंगे। 45 से अधिक देशों के मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधिमंडल शामिल होंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी भी विचार-विमर्श में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी सम्मेलन को संबोधित करेंगे, एक्सपो का दौरा करेंगे और प्रमुख मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) के साथ संवाद करेंगे। सम्मेलन में सुंदर पिचाई, सैम ऑल्टमैन, डेमिस हसाबिस, डारियो अमोदेई और ब्रैड स्मिथ जैसे प्रमुख वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज भी शामिल होंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने अपने कार्य और विचार साझा किए हैं।

लोढ़ा डेवलपर्स ने 294 करोड़ रुपये में पुणे की एसआरपीएल में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स लिमिटेड ने अपनी विस्तार योजना के तहत पुणे स्थित सॉलिडराइज रियल्टी (एसआरपीएल) में 294 करोड़ रुपये में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। मुंबई स्थित लोढ़ा डेवलपर्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से एक है, जो 'लोढ़ा' ब्रांड के तहत संपत्तियों की बिक्री करती है। कंपनी ने शनिवार को शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि उसने एसआरपीएल में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक शेयर खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। लोढ़ा डेवलपर्स, एसआरपीएल में 80 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करेगी, जिसकी कुल लागत 294.07 करोड़ रुपये है।

हैरी केन ने अपने करियर का 500वां गोल दागा

बर्लिन। इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन ने शनिवार को बायर्न म्यूनिख की तरफ से दो गोल करके अपने देश और विभिन्न क्लबों की तरफ से 500 गोल करने की उपलब्धि हासिल की। केन ने अपने दो गोल में से एक गोल पेनल्टी पर किया। यह पेनल्टी पर किया गया उनका 100वां था। केन के दो गोल की मदद से बायर्न ने वेर्डर ब्रेमेन पर 3-0 से जीत हासिल करके बुंडेसलिगा में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। केन ने मैच के बाद कहा, ''अच्छा लग रहा है। 500 गोल तक पहुंचना वाकई गर्व की बात है। इसमें बहुत मेहनत और त्याग लगा है, इसलिए यहां तक पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। लेकिन हमेशा की तरह अब अगला मैच ही मायने रखता है। केन ने अपना पहला गोल जनवरी 2011 में 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के तीसरी श्रेणी के क्लब लेटन ओरिएंट की तरफ से खेलते हुए शेफील्ड वेडनेसडे के खिलाफ किया था। केन को 500 गोल तक पहुंचने के लिए 743 मैचों की जरूरत पड़ी। इस 32 वर्षीय इस फॉरवर्ड ने इंग्लैंड के लिए 112 मैचों में 78 गोल किए हैं।

यूएई के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगा अफगानिस्तान

एजेंसी

नयी दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में सुपर ओवर की हार से आहत अफगानिस्तान सोमवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के करो या मरो के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके सुपर आठ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने की कोशिश करेगा। दोनों टीम अपने पिछले मुकाबलों में विपरीत परिणामों के साथ इस मुकाबले में उतर रही हैं। यूएई ने कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की, जबकि अफगानिस्तान को अपने पिछले मैच में दो सुपर ओवर तक खींचे जाने के बावजूद दिल तोड़ने वाली हार का सामना करना पड़ा। इसे टी20 के सबसे शानदार मैचों में से एक बताया जा रहा है। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड क्रमशः छह और चार अंकों के साथ ग्रुप डी में शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं, ऐसे में यूएई की क्वालीफाई करने की उम्मीदें जीत और अन्य मैचों में

अनुकूल परिणामों के अनुकूल रहने पर टिकी हैं। दूसरी ओर अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद अपना खाता खोलने के लिए बेताब होगा। उसे न केवल अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे, बल्कि प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी थी और जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे जीत हासिल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा था। कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विशेष रूप से संघर्ष करते दिखे। लेकिन सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा (53 गेंदों में 74 रन) ने पारी को संभाला। इसके बाद शोएब खान की 29 गेंदों में 51 रन की पारी ने टीम को शानदार वापसी दिलाने में मदद की। हालांकि यूएई की बल्लेबाजों को अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी की मजबूत स्पिन तिकड़ी के सामने कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। कनाडा पर जीत के बाद यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम ने कहा था, ''मुझे लगता है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा। हमें इस पर ध्यान देना होगा। इसलिए आगामी मैचों में हम इस पर काम करेंगे और खेल का यही वह हिस्सा है जिस पर हमें काम करना होगा। यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ लय हासिल कर ली, जिसमें तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए, लेकिन रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजाई जैसे बल्लेबाजों को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत पड़ेगी। गुरबाज ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 42 गेंदों में 84 रन बनाकर अफगानिस्तान क स्कोर 187 रन तक पहुंचाया। इसके बाद दूसरे सुपर ओवर में उन्होंने लगातार तीन छक्के लगाए, लेकिन अफगानिस्तान को हार का सामना करना पड़ा। उमरज़ई ने भी तीन विकेट लिए, जबकि राशिद ने दो विकेट हासिल किए।

एनाबेल सदरलैंड को लगातार दूसरी बार बेलिंडा क्लार्क पुरस्कार

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड को प्रतिष्ठित बेलिंडा क्लार्क अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान ऑस्ट्रेलिया में किसी महिला क्रिकेटर को दिया जाने वाला सर्वोच्च व्यक्तिगत पुरस्कार है। सदरलैंड ने लगातार दूसरी बार यह अवॉर्ड जीता। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को बताया कि सदरलैंड ने 77 वोट हासिल कर यह पुरस्कार अपने नाम किया। उनसे महज तीन वोट पीछे रहीं बेथ मूनी को 74 वोट मिले, जबकि अलाना किंग 56 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुष और महिला टीमों के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के कारण इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पुरस्कार समारोह पारंपरिक प्रारूप में आयोजित नहीं हो सका। सदरलैंड को यह सम्मान एससीजी मेंबर्स लॉन्ग रूम में आयोजित विशेष प्रस्तुति समारोह में प्रदान किया गया। सदरलैंड ने शानदार प्रदर्शन के दम पर वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता, जबकि बेथ मूनी को टी20 अंतरराष्ट्रीय प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया।

अमेरिका से व्यापार समझौता भारत से ट्रैक्टर निर्यात का अवसर : एस्कॉर्ट्स कुबोटा

एजेंसी

नयी दिल्ली। खेती और निर्माण उपकरण बनाने वाली कंपनी एस्कॉर्ट्स कुबोटा का मानना है कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता अमेरिका को ट्रैक्टर का निर्यात करने का एक अच्छा अवसर है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा की जापानी मूल की कंपनी कुबोटा कॉरपोरेशन ने कहा है कि वह 2030 के लिए अपनी मध्यम अवधि की कारोबारी योजना के तहत भारत को अपना वृद्धि का इंजन बनाने की तैयारी कर रही है। कंपनी अपनी रणनीति के महत्वपूर्ण पहलू के तहत भारत में कारोबार और परियोजनाओं की संभावनाएं तलाश रही है। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक और भारत में मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) भरत मदान ने कहा, ''अभी हम अमेरिका को निर्यात नहीं कर रहे हैं। हमें लगता है कि अब शुल्क लगने से, शायद हमें उस बाजार को फिर से खोलने पर विचार करने का अच्छा मौका मिलेगा। वह भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के असर पर एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा, ''अभी हमारी मूल कंपनी (कुबोटा) जापान से निर्यात कर रही है, और जापान पर अमेरिकी शुल्क लगभग 15 प्रतिशत है। इसमें और भारत के 18 प्रतिशत के शुल्क में कोई खास अंतर नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर हम भारत में ट्रैक्टर बना सकें और निर्यात को एक विकल्प के तौर पर देख सकें तो यह हमारे लिए एक अच्छा मौका है.. यह मूल कंपनी के लिए सोचने को एक बहुत अच्छा परिदृश्य होगा। अपने 2030 की मध्यम अवधि की कारोबारी योजना के तहत, कुबोटा कॉरपोरेशन ने कहा कि ऊंची वृद्धि वाले बाजारों पर कब्जा करने का लक्ष्य रखते हुए कंपनी भारत को शोध एवं विकास, खरीद और उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाने का अवसर तलाशेगी। इसके अलावा पूरे समूह की लागत प्रतिस्पर्धी क्षमता में सुधार करेगी और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करेगी। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के प्रभाव पर मदान ने कहा कि ट्रैक्टर पर शुल्क पहले से ही शून्य है, और कंपनी को ट्रैक्टर कारोबार पर कोई बड़े असर की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा, ''हम पहले से ही यूरोपीय संघ को निर्यात कर रहे हैं। ..आज भारत से यूरोप को निर्यात पहले से ही बहुत ज़्यादा है। घरेलू बाजार के परिदृश्य के बारे में में उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती के बाद ट्रैक्टर उद्योग वृद्धि की रफ्तार की उम्मीद कर रहा है।

भारत में कारोबार की बुनियादी स्थिति में सुधार हो रहा है: यूनिलीवर सीईओ

नयी दिल्ली। ब्रिटेन की बहुराष्ट्रीय उपभोक्ता सामान कंपनी यूनिलीवर ने कहा है कि अमेरिका के बाद उसके दूसरे सबसे बड़े बाजार भारत में कारोबार की बुनियादी स्थिति में सुधार हो रहा है। चौथी तिमाही के नतीजों के दौरान यूनिलीवर ने बताया कि होम केयर खंड में कंपनी ने 4.7 प्रतिशत की अंतर्निहित बिक्री वृद्धि और बिक्री की मात्रा में चार प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कंपनी के अनुसार, इसे भारत में उत्पादों की खपत में निरंतर मजबूती से समर्थन मिला है। यूनिलीवर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) फर्नांडो फर्नांडीस ने चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा, ''भारत इस गति में एक प्रमुख योगदानकर्ता रहा है। होम केयर खंड में फैब्रिक वॉश और घरेलू देखभाल के मजबूत प्रदर्शन के दम पर भारत में बिक्री की मात्रा में वृद्धि मध्यम एकल अंक में रही और कंपनी ने इसमें अब तक की सर्वाधिक बाजार हिस्सेदारी हासिल की है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से छह का बाजार पूंजीकरण तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक घटा

एजेंसी

नयी दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनियां टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 953.64 अंक या 1.14 प्रतिशत नीचे आया। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और भारती एयरटेल के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। वहीं भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत बढ़ गई। समीक्षाधीन सप्ताह में टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 90,198.92 करोड़ रुपये घटकर 9,74,043.43 करोड़ रुपये रह गया। इन्फोसिस का मूल्यांकन 70,780.23 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,55,287.72 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 54,627.71 करोड़ रुपये घटकर 13,93,621.92 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 41,883 करोड़ रुपये घटकर 19,21,475.79 करोड़ रुपये रह गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 23,971.74 करोड़ रुपये घटकर 5,46,226.80 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 19,244.61 करोड़ रुपये घटकर 11,43,044.03 करोड़ रुपये रह गया। इस रुख के उलट एसबीआई का मूल्यांकन 1,22,213.38 करोड़ रुपये बढ़कर 11,06,566.44 करोड़ रुपये हो गया।

बैंकों को बचत आकर्षित करने के लिए कामकाज में सुधार, नये और नवोन्मेषी उत्पाद लाने की जरूरत: सूत्र

एजेंसी

नयी दिल्ली। बैंकों को बचत आकर्षित करने के लिए कर नीति की नहीं बल्कि उपयुक्त कदम उठाने और परिचालन के स्तर पर कुशल बनने के साथ नये और नवोन्मेषी उत्पाद लाने की जरूरत है। बैंकों में बचत दर में कमी के बीच एक शीर्ष आधिकारिक सूत्र ने यह बात कही है। आर्थिक समीक्षा 2025-26 के अनुसार, घरेलू बचत दर वित्त वर्ष 2011-12 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 34.6 प्रतिशत पर थी जो 2023-24 में घटकर 30.7 प्रतिशत पर आ गयी। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में सालाना वित्तीय बचत में बैंक जमा का हिस्सा घटकर 35 प्रतिशत रह गया है, जो वित्त वर्ष 2011-12 के 58 प्रतिशत से काफी कम है। सूत्र ने बातचीत में कहा, ''बैंक में मूलभूत समस्या यह है कि उन्होंने जमा के आगे देखा ही नहीं, जबकि दुनिया में ऐसा नहीं है। पूंजी बाजार की बात करें तो हम सब शेयर की बात करते हैं। बॉन्ड की चर्चा कम होती है। बैंक, बॉन्ड के जरिये सस्ती दर पर लंबी अवधि के लिए पैसा जुटा सकते हैं और इसके आधार पर परियोजनाओं के लिए कर्ज दे सकते हैं। उन्होंने कहा, ''आज के दिन बैंक अच्छी गुणवत्ता वाले कर्ज दें, रिटर्न अच्छा लें तो वे जमाकर्ता को भी अच्छा प्रतिफल दे पाएंगे। बैंक को कर्ज व्यवस्था सुधारने की जरूरत है। बैंक कहते हैं कि वे आठ प्रतिशत पर पैसा उठाते हैं। ऐसे में जमाकर्ता को छह प्रतिशत ही दे पाते हैं क्योंकि दो प्रतिशत हमारी लागत है। बैंक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर, परिचालन स्तर पर कुशलता बढ़ाकर, गैर-जरूरी

खर्च को कम कर दो प्रतिशत की अपनी लागत को कम करके ग्राहक को अधिक ब्याज दे सकते हैं। बचत दर में कमी के बीच इसे आकर्षक बनाने के बारे में पूछे जाने पर आधिकारिक सूत्र ने कहा, ''कर नीति का मकसद अब बचत के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना नहीं है बल्कि इसके जरिये यह सुनिश्चित किया गया है कि आप अपनी कमाई पर कर दीजिए और बचे पैसे को अपने हिसाब से खर्च कीजिए या फिर निवेश कीजिए। बचत को आकर्षक बनाने के लिए बैंकों को परिचालन के स्तर पर कुशल बनने के साथ सावधि जमा के अलावा बचत के नवोन्मेषी उत्पाद लाने की जरूरत है। उल्लेखनीय है कि सरकार कर व्यवस्था को सरल और सुगम बना रही है। इसी के तहत नई आयकर व्यवस्था में सभी के लिए 12 लाख रुपये तक की आय और नौकरीपेशा के मामले में 12.75 लाख रुपये (75 हजार की मानक कटौती के साथ) तक की आय के लिए कोई कर देने की जरूरत नहीं है। इसमें किसी प्रकार की छूट नहीं दी गयी है। वहीं पुरानी कर व्यवस्था में लघु बचत योजनाओं समेत कई मदों में बचत और निवेश पर छूट दी गयी है। उन्होंने कहा, ''बैंकों को बचत को आकर्षित करने के लिए कदम उठाने होंगे, उन्हें परिचालन के स्तर पर कुशल बनने के साथ नये और नवोन्मेषी उत्पाद लाने होंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी अर्थव्यवस्था में वृद्धि तभी होगी जब निवेश होगा और देश में जो निवेश होगा, उस पैसे का प्रमुख स्रोत घरेलू बचत है। घरेलू बचत खासकर परिवार की बचत में हाल के दिनों में कमी आई है। सूत्र ने कहा, ''आज बैंकों के पास जो पैसा जमा है, उसमें लगभग 90 प्रतिशत से ज्यादा दो साल से कम की अवधि के लिए और पांच लाख रुपये से कम की जमा के रूप में है। लोगों ने इस पैसे को इसलिए रखा है कि वह सुरक्षित रहे और जरूरत पड़ने पर उसे निकाल सके। लोगों ने अपने पैसे दूसरे जोखिम वाले उत्पादों में भी डाल रखे होंगे। उन्होंने कहा, ''अब आप खुद सोचिए दो साल की 'फिक्स्ड डिपॉजिट' यानी सावधि जमा का पैसा लेकर बैंक 10 साल की परियोजना के लिए कैसे कर्ज देंगे? इस बारे में बैंकों को सोचने की जरूरत है।''

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

महाशिवरात्रि पर श्री काशी विश्वनाथ दरबार में आस्था का जनसैलाब, श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा

■ पूरी रात शिवभक्त दर्शन के लिए रहे कतारबद्ध,मंगलाआरती के बाद अनवरत दर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को श्री काशी विश्वनाथ दरबार में दर्शन पूजन और जलाभिषेक के लिए आम शिवभक्तों के साथ नागा सन्तों, सन्यासियों का सैलाब उमड़ पड़ा। काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ और आदि शक्ति मां पार्वती के मिलन के महापर्व का साक्षी बनने के लिए शिवभक्तों की मंगला आरती से लेकर आधी रात शयन आरती तक दरबार में जाने के लिए अटूट कतार लगी हुई है। सुरक्षा व्यवस्था के अभेद्य किलेबन्दी के बीच मंदिर के गर्भगृह के बाहर बने पात्र से श्रद्धा अनुराग की अखंड जलधार बेलपत्र मदार धतुरा दुग्ध जल ज्योर्तिलंग पर बहती रही। आधी रात के बाद से ही पूरा मंदिर परिक्षेत्र हर-हर महादेव, हर-हर, बम-बम के गगनभेदी उद्घोष से गुंजायमान है। यही, हाल जिले और शहर के प्रमुख शिवमंदिरों से लेकर छोटे–बड़ें शिवालयों का है। पूरे जिले में कंकर कंकर शंकर का नजारा दिख रहा है। इसके पूर्व बाबा दरबार में हाजिरी लगा पुण्य बटोरने के लिए शनिवार शाम से ही लाखों शिवभक्त बैरिकेडिंग में कतार बद्ध होते चले गये। जैसे-जैसे रात चढ़ती गयी कतार का दायरा भी बढ़ता गया। सर्द हवाएं हर हर महादेव, काशी विश्वनाथ गंगे के उद्घोष से पनाह मांगती नजर आईं। मंगला आरती के बाद अल सुबह तक बाबा दरबार में जाने के लिए डेढ़ से दो किमी लम्बी लाइन लग गयी। पूरी रात लाइन में खड़े होने के बावजूद शिवभक्तों के चेहरे पर थकान नहीं दिखी। थकान मिटाने में हर हर महादेव का गगनभेदी उद्घोष रामबाण साबित हो रहा था। बाबा दरबार में पहुंचने के बाद तो भक्तों का उत्साह देखते बन रहा था। इस दौरान किसी ने दूध से तो किसी ने गंगा जल तो किसी ने इत्र और भस्म से बाबा को नहवाया । श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ विश्वभूषण मिश्र के अगुवाई में अफसरों ने मंगलाआरती के बाद धाम में कतारबद्ध श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर अभिनंदन किया। मंदिर न्यास के अनुसार, मंगला आरती के बाद सुबह 6 बजकर 40 मिनट तक 1 लाख 60 हजार शिवभक्तों ने दर्शन कर लिया था। सुबह के सात बजे यह संख्या दो लाख से अधिक हो गई। पूर्वांह 09 बजे तक दर्शनार्थियों की संख्या चार लाख हो गई। मंदिर न्यास के अनुसार, महाशिवरात्रि पर्व पर 45 घंटे तक स्पर्श दर्शन नही मिलेगा। श्रद्धालु बाबा का झांकी दर्शन कर रहे है। मंदिर के ढुंढिराज गेट, गंगाद्वार, सरस्वती फाटक सभी पांचों द्वार से दर्शन के लिए प्रवेश दिया जा रहा है। महाशिवरात्रि पर श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के अलावा शहर और आस- पास के सभी शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है। गौरी केदारेश्वर, महामृत्युंजय, कृतिविशेश्वर, बैजनत्था, शूलटंकेश्वर, मार्कण्डेय महादेव, रामेश्वर, ऋणमुक्तेश्वर महादेव समेत छोटे शिवालयों में भी भारी भीड़ जलाभिषेक के लिए पहुंच रही है। इसके अलावा बीएचयू स्थित नये काशी विश्वनाथ मंदिर में भी लाखों भक्तों ने मत्था टेका। यहां कुलपति ने भी रूद्राभिषेक किया। महाशिवरात्रि पर्व पर वाराणसी जिला और पुलिस प्रशासन भी खासा चौकस है। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल,आईजी, डीआइजी ,डीसीपी काशी जोन, जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार सहित अन्य अफसर व्यवस्था पर नजर रखने के लिए गश्त करते दिखे। मंदिर परिसर की निगरानी ड्रोन कैमरे और सीसीटीवी से हो रही है। इसके अलावा मंदिर परिक्षेत्र में लगाये गए वॉच टॉवर पर पूरे दिन पुलिस के जवान दूरबीन और हाईटेक वेपेन्स के साथ मुस्तैद है। वहीं,काशी विश्वनाथ मंदिर से जुड़ने वाली हर सड़क पर आरएएफ, पीएसी के जवान तैनात हैं। शहर में पुलिस और पीएसी के लगातार मूवमेंट ने कहीं भी अव्यवस्था नहीं होने दी। ट्रैफिक डायवर्जन को भी कड़ाई से लागू कराया गया है।

महाशिवरात्रि : पंचक्रोशी परिक्रमा पथ पर निकले शिवभक्तों की सेवा में जुटे सामाजिक संगठन

वाराणसी। महाशिवरात्रि पर्व पर रविवार को परम्परानुसार पंचक्रोशी परिक्रमा पथ के विभिन्न पड़ावों पर पहुंच रहे श्रद्धालु शिवभक्तों की सेवा में विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ पुलिस कर्मी भी जुटे दिखे। लालपुर पांडेयपुर क्षेत्र में पुलिस कर्मी श्रद्धालुओं की सेवा के साथ उनके सुरक्षा में भी मुस्तैद रहे। गश्त के समय फैंटम 55 दस्ते में शामिल पुलिस कर्मी शिव भक्तों के बीच भक्ति भाव से प्रसाद वितरित करते दिखे। वहीं मिशन समाज सेवा के कार्यकर्ता अध्यक्ष की अगुवाई में श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे। श्रद्धालुओं को चाय पानी पिलाने के साथ उनके पैरों में पड़े छालों पर दर्द निवारक स्प्रे छिड़कने के साथ मरहम पट्टी भी करते रहे। कुछ देर ठहराव के बाद श्रद्धालु परिक्रमा पथ के अगले पड़ाव की ओर पूरे श्रद्धा और उत्साह से बढ़ते दिखे। बताते चलें कि संकल्प के साथ लगभग 80 से 84 किमी की यह काशी की परिक्रमा शिवभक्त 24 घंटे के अंदर पूरी करते हैं। यह परिक्रमा शनिवार देर शाम को मोक्षतीर्थ मणिकर्णिकाघाट के चक्रपुष्कर्णी तीर्थ कुंड और गंगा स्नान के बाद संकल्प लेकर शुरू हुई है। मणिकर्णिकाघाट से घाटों के सहारे शिवभक्त अस्सी घाट तक पहुंचे। फिर यहां से यात्रा के प्रथम पड़ाव कंदवा के लिए निकल पड़े। यात्रा मार्ग पर चप्पे-चप्पे पर पुलिस कर्मी तैनात हैं। ड्रोन व सीसीटीवी से उनकी सुरक्षा की निगरानी हो रही है। श्रद्धालु दूसरे पड़ाव भीमचंडी, तीसरे पड़ाव रामेश्वर, चौथे पड़ाव पांचों पंडवा,पांचवे पड़ाव कपिलधारा के लिए निकल पड़े हैं। श्रद्धालु पूरी रात परिक्रमा पथ पर तमाम दुश्वारियों और पांवों में छाले पड़ने के बावजूद यात्रा की अन्तिम पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बाद फिर गंगा घाटों के सहारे श्रद्धालु मणिकर्णिका घाट होते हुए व्यास पीठ तक पहुंचेंगे।

लोधेश्वर महादेव में उमड़ा आस्था का जन सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बाराबंकी। उत्तर भारत के सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थल लोधेश्वर महादेवा में महाशिवरात्रि पर्व पर आस्था का जन सैलाब उमड़ पड़ा। धूप दीप की खुशबू व हर हर महादेव की जय घोष से पूरा वातावरण भक्ति मय हो गया। कांवरियों की आस्था को देख यहां की प्रशासनिक व्यवस्थाएं भी नतमस्तक दिखी। मंदिर के कपाट खोल दिए गए थे जिससे भीड़ कम दिखी। देर रात 12:00 बजे के करीब जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने महादेवा पहुंच व्यवस्थाएं देखी। जिलाधिकारी ,पुलिस अधीक्षक अपर पुलिस अधीक्षक,ने पूरा मेला रात में ही भ्रमण कर व्यवस्थाओं की कमी को पूरा कराया। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और पुलिस अधीक्षक बाराबंकी अर्पित विजयवर्गीय ने आने वाले कावंड़ियों की सुरक्षा-व्यवस्था हेतु यात्रा के दौरान मार्ग में पड़ने वाले पुल रास्तों, बैरिकेटिंग, वाहनों के रूट डायवर्जन, वैकल्पिक मार्गों पार्किंग की व्यवस्था व राष्ट्रीय राजमार्ग पर अनवरत प्रकाश की व्यवस्था, पुलिस पिकेट एवं पेट्रोलिंग के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ मंदिर प्रशासन भी मेले की व्यवस्थाओं में लगा रहा। प्रधान राजन तिवारी भी मंदिर से लेकर मेला क्षेत्र में व्यवस्थाएं कराते रहे। मंदिर के पहले बैरिकेटिंग गेट पर कोतवाल सतरिख डीके सिंह लगे रहे तो वहीं दूसरे गेट पर बड्डूपुर कोतवाल तैनात थे। बोहानिया से लेकर मंदिर तक सहादतगंज चौकी इंचार्ज संतोष त्रिपाठी, व महादेव चौकी इंचार्ज अभिनंदन पांडे रहे। तो क्षेत्राधिकारी सदर सौरभ श्रीवास्तव,व देवा थाना प्रभारी अजय तिवारी मंदिर के अंदर सुरक्षा व्यवस्थाएं संभाले हुए श्रद्धालुओं को दर्शन करा रहे थे। वही रामनगर एसडीएम आई ई एस गूंजीता अग्रवाल,क्षेत्राधिकारी रामनगर गरिमा पंत तहसीलदार विपुल कुमार सिंह व नायब तहसीलदार विजय तिवारी पूरे मेले की व्यवस्थाएं संभाल रहे थे। रामनगर थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडे मेले में घूम-घूमकर पुलिस की ड्यूटी के साथ-साथ श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न हो इसके लिए वह स्वयं सुरक्षा की भी कमान संभाले हुए थे। थाना प्रभारी मोहम्मदपुर खाला आशुतोष मिश्रा बाहरी गेट पर लगे हुए थे। थाना प्रभारी मसौली अजय प्रकाश त्रिपाठी भी अपनी रोड की व्यवस्थाएं देख रहे थे। हालांकि अबकी बार श्रद्धालुओं के भीड़ पिछले वर्ष से कम नजर आई। मंदिर पुजारी आदित्य तिवारी ने बताया इसलिए कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि कितने लोगों में दर्शन पूजन किया। मेला विगत 10 दिन से चल रहा है। श्रद्धालु आते और जाते रहे हैं। वह पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने दो से तीन लाख लोगों के दर्शन करने की बात कही है।

समाजसेवियों द्वारा चलाए गए लोधेश्वर महादेव में भंडारे

बाराबंकी। रामनग लोधेश्वर महादेवा के प्रसिद्ध फाल्गुनी महाशिवरात्रि मेले में आने जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर समाजसेवी जनों द्वारा चलाए जा रहे भंडारों में पूडी सब्जी छोले चावल बूंदी चाय बिस्कुट के प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। बांदा-बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे अवस्थी पेट्रोल पंप के पास अरुण कुमार वर्मा अखिलेश अवस्थी आदि लोगों द्वारा चलाए जा रहे भंडारे में पूडी-सब्जी छोला-चावल व बूंदी का प्रसाद वितरित किया जा रहा है। ब्लॉक मुख्यालय के समीप उमा कुमारी, सनी मिश्रा, निशांत,छबी मिश्रा, राशि मिश्रा व अथर्व के द्वारा शिव भक्तों में पूडी -सब्जी, चाय, बिस्कुट के प्रसाद का वितरण किया जा रहा है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

महाशिवरात्रि पर पंचनद धाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, तीन जिलों की पुलिस रही मुस्तैद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। महा शिवरात्रि के पावन पर्व पर इटावा, औरैया और जालौन जिलों की सीमा पर स्थित पंचनद धाम तीर्थ क्षेत्र में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। पांच पवित्र नदियों-यमुना, चंबल, सिंध, पहुज और कुंवारी-के संगम पर स्थित शिवालयों में जलाभिषेक के लिए हजारों कांवड़िए और भक्त देर रात से ही पहुंचने लगे। आयोजन पूरी रात जारी रहा और प्रात चार बजे से जलाभिषेक प्रारंभ हुआ। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए तीनों जिलों का पुलिस प्रशासन चाक-चौबंद रहा। प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन और सुचारू व्यवस्था के लिए पुख्ता इंतजाम किए, ताकि लाखों की संख्या में आने वाले कांवड़िए एवं श्रद्धालु शांतिपूर्ण ढंग से जलाभिषेक कर सकें। पंचनद धाम अपने पवित्र महासंगम के कारण विशेष धार्मिक महत्व रखता है। महाशिवरात्रि पर यहां प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु जुटते हैं। देर रात से ही धाम के सभी मार्गों पर कांवड़ियों का आवागमन शुरू हो गया। भगवान भोलेनाथ के जयघोष से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। कई सामाजिक संस्थाओं ने कांवड़ियों के लिए जलपान, चिकित्सा और विश्राम की व्यवस्था भी की, जिससे यात्रियों को विशेष सुविधा मिल रही है। क्षेत्र के प्रमुख देवालयों में महाकाल कालेश्वर मंदिर, बाबा साहब मंदिर और मां कर्णवती मंदिर शामिल हैं। विशेष रूप से यमुना-चंबल संगम पर स्थित महाकाल भरेश्वर मंदिर में कांवड़ मेले के साथ-साथ श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन भी किया जा रहा है, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बाबा साहब मंदिर के पुजारी सुमेर बन ने बताया कि हजारों की संख्या में भक्त पंचनद धाम पहुंच रहे हैं और यह धार्मिक कार्यक्रम शाम तक निरंतर चलता रहेगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने की अपील की है, ताकि महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ सकुशल संपन्न हो सके।

यमुना सिटी में जापान की कंपनी फूड प्रोसेसिंग संयंत्र लगाएगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। जापान की कंपनी क्यूपी कॉर्पोरेशन यमुना सिटी में फूड प्रोसेसिंग संयंत्र लगाएगी। फूड प्रोसेसिंग संयंत्र लगाने के लिए आठ से 10 एकड़ जमीन की जरूरत होगी और जापान की कंपनी 200 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इससे विदेशी निवेश आने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। कंपनी प्रबंधन संयंत्र लगाने के लिए जल्द प्रस्ताव देगा। जापान के प्रतिनिधिमंडल ने यहां यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की और औद्योगिक पार्कों का निरीक्षण करने के बाद यहां निवेश की इच्छा जताई।

यमुना सिटी का यह तीसरा फूड प्रोसेसिंग संयंत्र होगा। इससे पहले दो कंपनियों पतंजलि और इनोवा फूड पार्क के लिए जमीन आवंटित की जा चुकी है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक क्यूपी कॉर्पोरेशन के अधिकारियों को यमुना सिटी का बुनियादी संसाधन पसंद आया है। बैठक में विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि शीघ्र ही कंपनी के निदेशक मंडल के समक्ष निवेश से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। इसके बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। बैठक में प्राधिकरण के एसीईओ शैलेंद्र कुमार भाटिया और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। अमेरिका, चीन समेत 79 देशों में सक्रिय क्यूपी कॉर्पोरेशन जापान की वैश्विक फूड प्रोसेसिंग कंपनी है, जो अपने एग-योल्क आधारित मेयोनीज और उमामी स्वाद प्रोफाइल के लिए जानी जाती है। जापान में लगभग 60 फीसदी बाजार हिस्सेदारी रखने वाली यह कंपनी अमेरिका, चीन, वियतनाम, थाईलैंड समेत 79 से अधिक देशों में सक्रिय है। कंपनी स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादों के साथ फ्रूट जैम, सॉस और फ्रूट सॉल्यूशंस आदि बनाती है। यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी आरके सिंह ने बताया कि दो कंपनियों को पहले ही जमीन दी जा चुकी है। पहली पतंजलि है। उन्होंने बताया कि यमुना सिटी के सेक्टर-24 और सेक्टर-24ए में पतंजलि आयुर्वेद को 430 एकड़ भूमि आवंटित की जा चुकी है।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। महाशिवरात्रि के पर्व पर जनपद के तमाम शिव मंदिरों में भक्तों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। परमट स्थित बाबा आनंदेश्वर धाम में देर रात मेहंदी से बाबा का श्रृंगार हुआ। इसके बाद भक्तों के दर्शन के लिए बाबा के पट खोल दिए गए। इसी तरह मिनी काशी के नाम से प्रसिद्ध बाबा सिद्धनाथ मंदिर में भी भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह होने तक इन शिव मंदिरों में लाखों शिव भक्त बाबा के दर्शन प्राप्त कर चुके हैं। महाशिवरात्रि के अवसर पर शहर के सुप्रसिद्ध परमट स्थित बाबा आनंदेश्वर मंदिर, जाजमऊ स्थित बाबा सिद्धनाथ मंदिर, शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर मंदिर और शिवाला स्थित कैलाश मंदिर समेत तमाम शिवालियों में हर-हर महादेव और ओम नमः शिवाय के उद्घोष के साथ भक्त बाबा के दर्शन प्राप्त कर रहे हैं। जाजमऊ स्थित सिद्धनाथ मंदिर के पुजारी मुन्नीलाल ने रविवार को बताया कि वाराणसी स्थित काशी विश्वनाथ के बाद उत्तर प्रदेश का यह ऐसा एकमात्र मंदिर है जिसे मिनी काशी के नाम से जाना जाता है इस मंदिर की खासियत यह है कि यहां आम दिनों में तो भक्तों की भीड़ रहती ही है लेकिन शिवरात्रि और सावन के महीने में यह भीड़ कई गुना बढ़ जाती है देर रात से ही मंदिर में भक्तों का ताता लगा हुआ है एक दिन में बच्चे, बूढ़े और जवान सभी तरह के लोग मंदिर में आकर बाबा के दर्शन प्राप्त कर रहे हैं। वहीं मंदिर कमेटी और जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के तमाम पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मंदिर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल जिनमें एलआईयू, महिला पुलिस, यूपी पुलिस, सिविल पुलिस और मंदिरों के वॉलिंटियर्स मौजूद हैं। जो मंदिरों के आस-पास अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं। इसके अलावा मंदिर प्रांगण के लेकर बाहर तक सैकड़ो सीसीटीवी कैमरे भी लगवाये गए हैं। जिनसे भी नजर रखी जा रही है।

हमीरपुर में यमुना नदी के किनारे बने हैं अद्भुत पांच शिवालय, हो रही पूजा अर्चना

■ जमीन की खुदाई से मिले शिवलिंगों की करायी गई थी प्राणप्रतिष्ठा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में यमुना नदी किनारे बने मंदिर में स्थापित शिवलिंग मराठा कालीन है जो पतालेश्वर मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर यमुना और बेतवा नदियों की भीषण बाढ़ में पूरी तरह से डूब गया था बावजूद मंदिर अपनी जगह से टस से मस नहीं हुआ। कई दिनों तक बाढ़ के पानी में मंदिर के डूबे रहने के बाद दीवालों का प्लास्टर तक भी उखड़ा। इस तरह के पांच मंदिर है जहां महाशिवरात्रि के दिन कोई भी पांचों मंदिर के दर्शन नहीं कर सकता है। मंदिर की लौकिक शक्ति से प्रभावित होकर स्थानीय लोगों ने मंदिर और उससे लगे क्षेत्र को विकास के नये आयाम दिये है।

यमुना और बेतवा नदी के बीच बसे इस हमीरपुर नगर में पतालेश्वर मंदिर का निर्माण मराठा काल में हुआ था। इसका गुंबद और मठ इतना मजबूत है कि दो साल पहले 20 फीट दूर जमीन पर गिरी आकाशीय बिजली की धमक से कोई असर नहीं पड़ा था जबकि आसपास के रिहायशी मकानों की दीवाले दरक गयी थी। पांच सौ मीटर की दूरी में रिहायशी घरों में लगे बिजली के उपकरण और मंहगे सामान तक आकाशीय बिजली की तेज आवाज में फुंक गये थे लेकिन यह मंदिर सही सलामत रहा। इस मंदिर के अंदर शिवलिंग पताली बतायी जा रही है जिसके दर्शन करने के लिये दूर-दूर से लोग आते है। अंग्रेजी हुकूमत के समय में इस मंदिर में अंग्रेज अफसर दर्शन करने आते थे। यहां के बुजुर्ग सतीश तिवारी ने बताया कि वर्ष 1978 व 1983 में यमुना बेतवा नदी में भीषण बाढ़ आयी थी तब यमुना नदी किनारे बसा पतालेश्वर मंदिर डूब गया था। कई दिनों तक बाढ़ के पानी में मंदिर डूबा रहा लेकिन मंदिर की दीवाले टस से मस तक नहीं हुयी थी। 1983 के बाद भी कई बार यमुना नदी उफनायी तो इस मंदिर में बाढ़ का पानी घुस गया था। पुजारी बाबा को भी ऊंचाई वाले स्थान पर भागकर शरण लेनी पड़ी थी। हमीरपुर मुख्यालय से मात्र 10 किमी की परिधि में पतालेश्वर मंदिर की तरह यमुना बेतवा नदी के संगम तट पर संगमेश्वर, सिमनौड़ी में मनेश्वर बाबा, यमुना नदी पार सजेती में हाइवे किनारे बिहारेश्वर बाबा, चंदुलीतीर गांव के पास यमुना नदी किनारे शंकर जी का मंदिर बना है जो एतिहासिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

इन पांचों मंदिर में शिव लिंग की स्थापना किसी ने नहीं करायी है। कालांतर में स्वप्न में जमीन के अंदर शिवलिंग होने के अहसास होते ही लोगों ने जमीन के अंदर कई मीटर तक खुदाई करायी थी तब पांचों स्थानों पर भव्य शिवलिंग मिले थे। इसीलिये इन शिवलिंगों को पताली कहा जाता है। उनका कहना है कि महाशिवरात्रि में कोई भी व्यक्ति एक ही दिन में इन सभी शिवालयों में शिवलिंग के दर्शन नहीं कर सकता है। ऐसी मान्यता है जो आज भी सच है। कई लोगों ने इस मान्यता को न मानते हुये पांचों मंदिरों तक पहुंचने की कोशिश की थी लेकिन दो तीन मंदिरों के दर्शन करने के बाद या तो उनके वाहन खराब हो जाते थे या फिर और कोई बाधायें सामने आ जाती थी। इतिहासकार डा.भवानीदीन का कहना है कि यह सभी मंदिर मराठा काल में बनवाये गये थे। यमुना नदी किनारे होने के कारण इन शिवालयों में मीलों दूर से लोग दर्शन करने आते है। इस मंदिर में कोई भी पुजारी साल भर तक नहीं ठहर सकता है। शुरू में एक भगत बाबा नाम का पुजारी मंदिर में रहता था जो मरते दम तक शिवलिंग की पूजा करता था। उसकी समाधि भी पतालेश्वर मंदिर के परिसर पर बनायी गयी थी। महाशिवरात्रि पर यहां कई धार्मिक अनुष्ठान आयोजित हो रहे है। भोर होते ही पतालेश्वर मंदिर में पूजन के लिये लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी।